2 गज दूरी
मास्क जरूरी

KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

वर्ष-4 | अंक-3 अक्टूबर-2020 पृष्ठ-36 मूल्य : ₹ 20.00

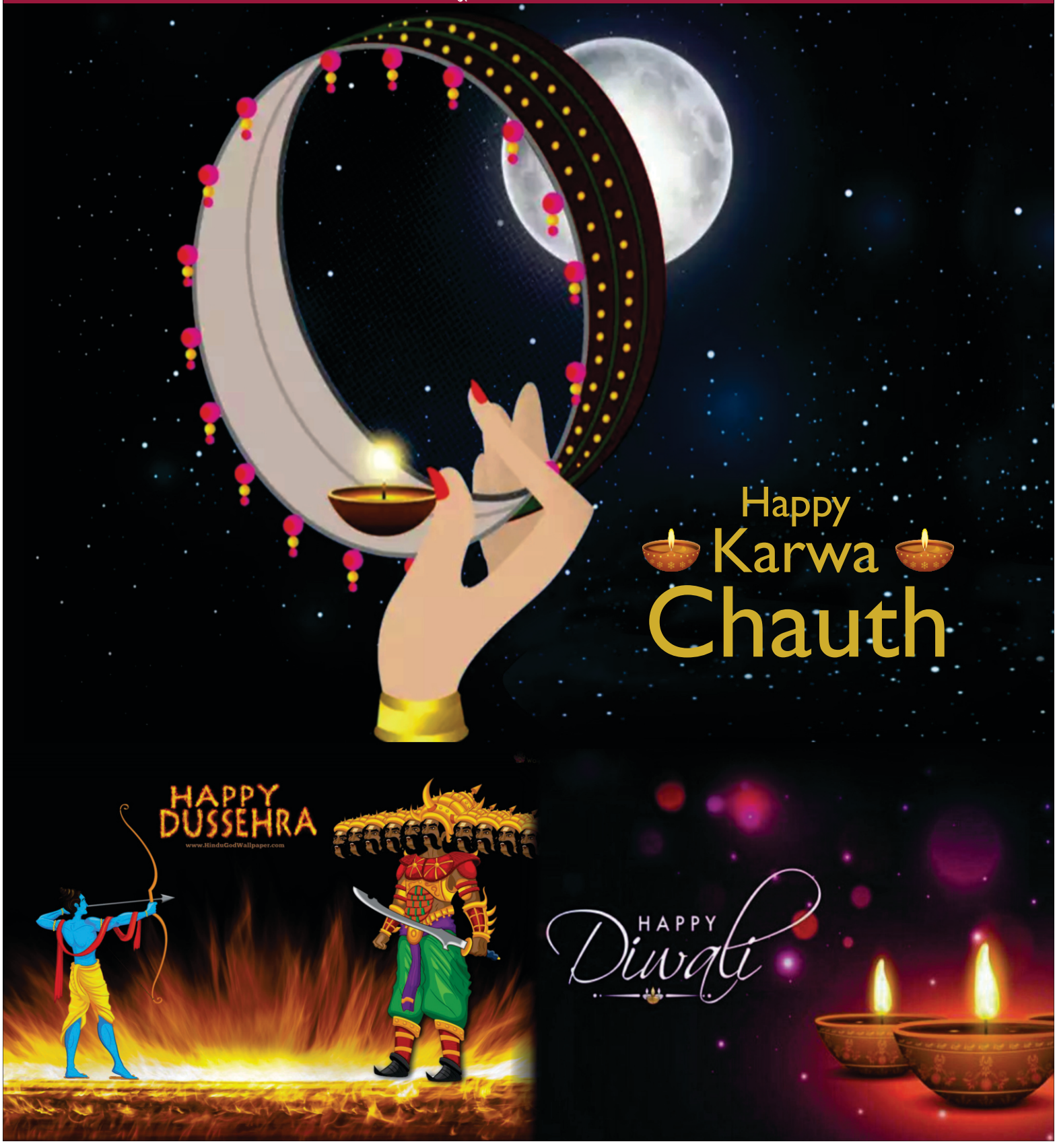

JYOTI EDUCATIONAL INSTITUTE

FATEHPURA,UDAIPUR

SINCE 1972

Ph: 9413832882, Facebook Page : JSS,UDAIPUR,WWW.JYOTISCHOOLS.COM,E-Mail : JYOTIGROUPS@YAHOO.COM

1. JYOTI SENIOR SECONDARY SCHOOL,FATEHPURA,UDAIPUR [English & Hindi Medium]

2. JYOTI PUBLIC SCHOOL,FATEHPURA,UDAIPUR [English Medium]

3. JYOTI SECONDARY SCHOOL,BEDLA,UDAIPUR [English & Hindi Medium]

4. JYOTI SECONDARY SCHOOL,BHUWANA,UDAIPUR [English & Hindi Medium]

5. JYOTI JUNIOR'S ,FATEHPURA, UDAIPUR [PLAYGROUP]

INSTITUTIONS

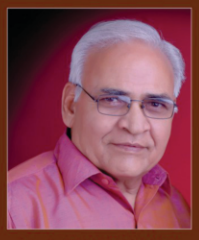

G.L.KUMAWAT
CHAIRMAN

MADHU KUMAWAT
CO-FOUNDER

Dr.RAJNISH KUMAWAT
DIRECTOR

Dr.ARTI KUMAWAT
PRINCIPAL

MANISH KUMAWAT
ADMINISTRATOR

SHILPI KUMAWAT
PRINCIPAL

IKSHA KUMAWAT

PRISHA KUMAWAT

LISHA KUMAWAT LAVYA KUMAWAT

Congratulations

ENGLISH & HINDI MEDIUM

17 times 100% Result in 10th Board | 17 times 100% Result in 12th Board
CCTV Covered Campus | Purified Water Facility | Wi-Fi Campus | Digital Class
Total 333 Girls achieved Gargi Award till 2018
Total 08 Girls selected for Indira Priyadarshini & Padmakshi award till 2018
Total 37 Students are in Subject-Wise State Merit till 2018.

॥ चतुर्थ पुण्यतिथि ॥

10 Feb. 1946 - 24 Oct. 2016

स्व. श्री सुभाष कुमावत (तोंदवाल)

आप के द्वारा स्थापित धैर्य एवं आध्यात्म के पथ पर निरन्तर चलने की शपथ लेते आपके

चतुर्थ निर्वाण दिवस पर श्रृद्धानवत्

श्रीमती सरला देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री सुभाष कुमावत (तोंदवाल)

अनिल कुमावत - मनीषा, सुनील कुमावत - भावना (पुत्र-पुत्रवधु)

शकुन्तला - श्री दौलतराम कुमावत (पुत्री-दामाद)

मिलिन्द, राधिका, लेखीका, निखिल कुमावत (पौत्र-पौत्री), आशीष, शिवानी कुमावत (दोहिता-दोहिती)

Ashirwad
TRADERS

Manufacturers & Supplier
All Kind of Marble & Handicraft Items
Cell : 99289-14363 • 98290-14363

28, Ashirwad, Road No. 1, Shiv Nagar, V.K.I. Area, Opp. Vivekanand Sr. Sec. School. Jaipur

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : 2806, खड़गटा भवन,गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	विनोद बालोदिया	**मो. 9829059312**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		मनोज सिरस्वा	**मो. 9414043127**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक 9414810584, राजेन्द्र जूनवाल 9828139099, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, रोहित कुमावत (मोरवाल) 9887097092, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496 , चेतन बालोदिया 9414052736 एवं श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385 यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 954965638 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक हेमचन्द कुमावत (खड़गटा) द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं 2806, खड़गटा भवन, गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

हम आम भारतीय के जीवन की बात करें तो जन्म से मृत्यु तक उसका जीवन संघर्षो व कठिनाइयों से भरा है। जन्म देते समय मां को अच्छा अस्पताल पाने से लेकर बच्चों के लालन-पालन, स्कूल में एडमिशन, नौकरी/व्यवसाय प्रारम्भ करने, शादी- ब्याह, अपनी व भावी पीढ़ी हेतु घर खरीदने आदि में एक आम आदमी की जिंदगी गुजर जाती है।

एक आम भारतीय, बचपन से ही जीवन की सिढियों को किसी न किसी उद्देश्य की प्राप्ति करते हुए चढ़ता जाता है। यही जीवन की प्रसन्नता का मूल आधार है। यदि वह लक्ष्य के अनुरूप सफल हो जाए तो जीवन का हर क्षण, सुख व शांति का द्वार बन जाता है। लेकिन यह उद्देश्य सात्विक, सकारात्मक और संस्कारित होने चाहिए।

परिवार के जिस माहौल में बच्चा बड़ा होता है उसका मन-मस्तिष्क वैसा ही विकसित हो जाता है। उसकी मानसिक सोच व गतिविधियां उसके अनुरूप ही संस्कारित हो जाती है। कठिन परिश्रम, साहस, धैर्य, श्रद्धा, अंधविश्वास, दुराग्रह और कट्टरता सारे गुण-अवगुण का समावेश संस्कारों के अनुरूप हो जाता है। यही संस्कार उनके जीवन रुपी नाव को दिशा-निर्देश देते हैं। यही कारण है कि मन में उमड़ते विचारों, भावनाओं और कल्पनाओं आदि के अनुरूप ही उसके मन-मष्तिष्क का निर्माण होता है। मानसिक स्वास्थ्य के बारे में सोचना या बोलना बड़ा अटपटा लगता है। किंतु सच यही है कि परिवार में सभी सदस्यों की मानसिक स्थिति स्वस्थ है तो वह परिवार स्वर्ग के समान है, चाहे परिवार गरीब हो या अमीर। उदाहरण के तौर पर एक लाख रुपए मासिक कमाने वाले व्यक्ति के परिवारजनो से पचास हजार रुपए मासिक कमाने वाले व्यक्ति के परिवारजन ज्यादा प्रसन्न व खुशहाल हो सकतें हैं यदि उसके परिवार जनों का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा है। परिवार में सभी सदस्यों के मन, विचार एवं व्यवहार अनुशासित व संयमित है तो परिवार का स्वास्थ्य अच्छा कहलायेगा। **हर वर्ष 10 अक्टूबर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।**

मन की पहचान इसकी गतिशीलता से होती है। क्षणभर में कल्पना के पंख लगा कर काल, समय व दूरी की परिधियों को लांघकर कहीं भी जाना व पहुंचना मन का सहज स्वभाव है। व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों में उमड़ते-घुमड़ते विचार मन की सक्रियता को हवा देते हैं। परिवार में रहते हुए प्रत्येक सदस्य का मन अन्य सभी सदस्यों के व्यवहार, आचरण और समस्त गतिविधियों का विश्लेषण करता है उसके अनुरूप उस सदस्य का मानसिक विकास होता है।

परिवार के सभी सदस्यों का व्यवहार मित्रता पूर्वक होना चाहिए किंतु इसमें वरिष्ठ सदस्यों का ध्यान रखते हुए उनसे ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए जिससे उनके सम्मान में कमी हो अथवा उनकी गरिमा को ठेस पहुंचे।

आजकल आधुनिकता और पाश्चात्य फैशन की देखा देखी में फंस कर अधिकतर नवयुवक-युवतियां और मातृशक्ति अपने व्यवहार व पहनावे में कभी-कभी इतना अनुचित कर देते हैं जिससे बुजुर्ग लोगों के लिए स्थिति असहज व असह्य हो जाती है अथवा उनकी गरिमा में ठेस पहुचती है। मातृशक्ति को ईश्वर ने 'शालीनता, प्रेम और लाज-शर्म' जैसे अमूल्य रत्न व जेवर उपहार दिए है।आधुनिकता और पाश्चात्य फैशन के झोंकों में न बहकर उन्हें पारंपरिक भारतीय परिधान व फैशन को अपनाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी सुसंस्कारित, शालीन और गरिमामय हो। इससे मातृशक्ति को घर व बाहर प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा।

दशहरा व दिपावली पर्व पर आप सभी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से शुभकामनाएं। - रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

यहां पर यह देखें

सम्पादकीय	3
संरक्षक : श्री प्रशांत अजमेरा	4
संरक्षक : श्रीमती पूनम कुमावत	4
नगर निगम चुनाव में कुमावत समाज के उम्मीदवार	5
पंचायत चुनावों में विजयी रहे समाज के सभी उम्मीदवारों को बधाई	6
सुरेश कुमावत को ईलाज के लिए मदद दी	7
कपिल कुमावत, अध्यापक सम्मानित	7
श्री दामोदर कुमावत उपायुक्त पद पर पदोन्नत	7
एक्यूप्रेशर चिकित्सा : घुटनों के दर्द का इलाज	7
रामपथ की चरण रज से मूर्तियाँ बन रही हैं	7
डॉ. आशा कुमावत का सम्मान	7
राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के कार्यक्रम	8
मदनगंज किशनगढ़-आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण	8
स्मृति शेष : श्री मोहनलाल जी किरोड़ीवाल (ठेकेदार) जयपुर	9
श्री गिरधारीलाल कुमावत स्वयं सेवी शिक्षण संस्था संघ के प्रदेश मंत्री मनोनीत	9
कोरोना काल और पिसता मूक मध्यम वर्ग	10
शहीद सीताराम कुमावत की जयंती मनाई	12
महिला शक्तिशकरण : श्रीमती पूनम कुमावत	13
समाज के कार्यकर्ताओं को मिले उचित स्थान	13
एक बहस : 'भात' एवं 'दहेज' की सार्थकता	13
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम	14
कुमावत गौरव : श्री नवरतन राजोरिया, एडवोकेट	15
नये अध्यक्ष की कलम से	15
कुमावत प्रतिभा	16
विज्ञापन बधाई	17
विज्ञापन : बधाई	18
विज्ञापन : बधाई	19
विाापन : श्रद्धांजलि	20
स्मृति शेष : श्री ओम प्रकाश जी कारगवाल, ब्यावर	21
विज्ञापन : श्रद्धांजलि	21
विज्ञापन : बधाई	22
राजनीतिक प्रतिनिधित्व में पिछड़ता कुमावत समाज	23
आइये मिलकर बढ़ती बेरोजगारी के कारणों पर एक नजर डालें...	23
कुमावत शिल्पियों के बनाए गढ़, महल व ईमारतों में बाल जितना भी दोष नहीं	24
शतायु : श्रीमती गोपा देवी, टोंक	24
टीम चेतन धुंधारिया द्वारा सामाजिक चेतना के कार्य	25
श्री शक्ति पीठ ईडाणा माता मंदिर	26
पाक में हिंगलाज मंदिर में आतंकी धमकी के बीच पहुंच रहे श्रद्धालु	26
श्री पवन बासनिवाल ने बनाया ङ्घशह्वञ्जह्वड्ढद्ग चैनल	26
जिन्दगी की परीक्षा में चाहिये अच्छे मार्क्स	27
जानें- Air Patato (हवाई आलु)	27
विशिष्ठ संरक्षक	28
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	29
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	30
विज्ञापन : श्रद्धांजलि	31
विज्ञापन : बधाई	32
विज्ञापन : वैवाहिक, बधाई	33
विज्ञापन : बधाई	34
विज्ञापन : स्व. श्री सुभाष तोंदवाल	35

संरक्षक

श्री प्रशांत अजमेरा

निवासी 70/42 सेंट जोसेफ कान्वेन्ट स्कूल के सामने, श्योपुर रोड, सांगानेर, प्रतापनगर, जयपुर मो.: 9461684073

श्री प्रशान्त अजमेरा पुत्र डॉ. लक्ष्य राज अजमेरा (से.नि. प्रबन्धक सरस डेयरी) मूलत: टोंक निवासी हैं तथा स्व. श्री गणेश लाल अजमेरा के सुपौत्र हैं। आप अविवाहित हैं। आप बाल्यकाल से ही प्रकृति प्रेमी, मृदुभाषी एवं मेधावी छात्र रहे हैं। आपने प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा केन्द्रीय विद्यालय अविका नगर (मालपुरा) से की है। इन्होंने बी.बी.ए. की शिक्षा कॉमर्स कॉलेज जयपुर से एवं एमबीए (एच.आर.) की उपाधि इग्नू से प्राप्त की है। संगीत में इनकी रुचि के कारण 'दर्शक संस्था' में संगीत गुरु से श्री राजीव भट्ट से शिक्षा ग्रहण करते हुए गायन एवं वाद्यों जैसे वायलिन, गिटार, की बोर्ड, हारमोनियम में सिद्धहस्त हुए। प्राचीन कला केन्द्र, चण्डीगढ़ एवं भातखण्डे संगीत विद्यापीठ से सुगम संगीत एवं शास्त्रीय संगीत में 'विशारद' की उपाधि तथा भातखण्डे विद्यापीठ से 'निपुण' (पी.जी.) की उपाधि प्राप्त की। आप वॉकल संगीत एवं वाद्य यन्त्रों की शिक्षा प्रदान हेतु 'प्रशांत म्यूजिक क्लासेस' का संचालन कर रहे हैं एवं ऑनलाइन कोचिंग दे रहे हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

संरक्षक

श्रीमती पूनम कुमावत

B.Sc., MA, DLL, LLB,

बाजनी तलाई, जैन हॉस्टल के पीछे, सांगानेर, जयपुर

आपका जन्म नाथद्वारा की पावन धरा पर हुआ तथा उच्च माध्यमिक स्तर तक उदयपुर में शिक्षा ग्रहण की। आपके पिता श्री भगवान लाल कुमावत रेलवे से सेवानिवृत्त जेईएन हैं। आपका विवाह सांगानेर, जयपुर में श्री अजय अजमेरा (कुमावत) से हुआ। विवाह उपरांत आपने MA, LLB तथा वर्धमान विश्वविद्यालय, कोटा से डिप्लोमा इन लेबर लॉ (DLL) किया है। आपको स्टोन मार्ट, 2017 में Best Display Award, लघु उद्योग भारती से 2016 'महिला उद्यम अवार्ड' व एम्पलाई एसोसिएशन से 2018 में 'महिला उद्यमी अवार्ड' से नवाजा गया है। आप महिला उद्यमी हैं, आपने अपने स्वयं के प्रयास से गणपति स्टोन इण्डस्ट्रीज की स्थापना करके स्टोन आर्टिकल्स बनाने का कार्य किया है। आप भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जयपुर देहात की वर्ष 2016 से उपाध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति सांगानेर की वर्ष 2009 से उपाध्यक्ष तथा वर्ष 2018 से कुमावत क्षत्रिय समाज मालवीय नगर जयपुर की उपमंत्री हैं। आपका व्यक्तित्व समाज की महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके और आपके परिवार के उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

नगर निगम चुनाव में कुमावत समाज के उम्मीदवार

इस बार नगर निगम जयपुर, जोधपुर एवं कोटा में अक्टूबर-नवम्बर, 2020 में पार्षदों का चुनाव हो रहा है। इसमें कुमावत समाज के उम्मीदवार भी अपना भाग्य अजमा रहे हैं। इनमें से कुछ भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस से टिकट लेने में सफल हुए हैं। सभी उम्मीदवारों को कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से जीत के लिए शुभकामना। **'कुमावत इंडिया' पत्रिका समाजजनों से अपील करती है कि समाजहित में समाज के उम्मीदवार को ही अपना वोट देकर विजयी बनाए।** पार्षद उम्मीदवारों का विवरण निम्नानुसार है:-

श्री राजेश कुमावत

श्री राजेश कुमावत पुत्र श्री भंवरलाल जी धुंधारिया निवासी डूंडलोद हाउस कॉलोनी, हवासड़क, जयपुर। आपको **भारतीय जनता पार्टी** से **वार्ड संख्या 48 हेरिटेज** से टिकट दिया गया है। आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल सदस्य हैं। आप द्वारा डूंडलोद हाउस कॉलोनी में 11 **बार रक्तदान शिविर एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है।** आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आप फोटोग्राफी व्यवसाय में हैं।

श्रीमती विजय लक्ष्मी

श्रीमती गुड्डी कुमारी कुमावत (वार्ड नं. 94 ग्रेटर) पिछले पांच वर्षों से सक्रिय रूप से सामाजिक एवं राजनीति में हैं। आपके पति श्री महेन्द्र कुमावत पिछले 10 वर्षों से **भारतीय जनता पार्टी** के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं।

श्रीमती गुड्डी कुमारी

श्रीमती विजय लक्ष्मी (वार्ड138 ग्रेटर) पत्नी श्री विजेन्द्र नागा निवासी सिवाड़ एरिया बापू नगर, जयपुर। आप एडवोकेट हैं तथा **भाजपा** की पिछले कई वर्षो से कार्यकर्ता हैं। आप स्वच्छ छवि की शिक्षित एवं प्रतिभावान महिला है।

श्रीमती शिमला कुमावत (कांग्रेस वार्ड 23 ग्रेटर) आप शिक्षाविद् एवं राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। आपके श्वसुर स्व. श्री भंवरलाल जी खुड़िया भी कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रूप से थे। आपने पिछले कई वर्षों से सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में अपनी भूमिका का सक्रिय रूप से निर्वहन किया है। आपका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों की सामान्य समस्याओं पेयजल, सिवरेज, स्ट्रीट लाईट, पार्क का निवारण कराना है।

श्रीमती शिमला कुमावत

श्री सी.पी. कुमावत

सी.पी. कुमावत (वार्ड नं. 142): आप ई-688, लालकोठी स्कीम, जयपुर के निवासी हैं तथा आप वार्ड नं. 142 ग्रेटर से **कांग्रेस** के उम्मीदवार हैं। आप लेखा आर्ट्स के नाम से हैण्डीक्राफ्ट तथा झील बिल्डकॉम के नाम से रियल एस्टेट के कारोबार में हैं। आप **हनुमान-राम मंदिर नवयुवक मण्डल लालकोठी के सदस्य** तथा सचिव जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के रूपन में अपना दायित्व निर्वहन कर रहे हैं। आप युवा एवं योग्य हैं तथा अपने क्षेत्र में लोगों की सेवा करने को तत्पर हैं।

कपिला कुमावत (वार्ड 59 हेरिटेज) : आप पुरानी बस्ती, जयपुर की मूल निवासी हैं तथा **भारतीय जनता पार्टी** से प्रत्याशी हैं। आपके पति श्री विजयपाल कुमावत (अध्यक्ष, ढूंढाड परिषद) के माध्यम से जयपुर की भाषा, विरासत एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए अनेक वर्षों से संघर्षरत रहे हैं तथा बीजेपी के प्रमुख कार्यकर्ताओं में सम्मिलित हैं।

श्रीमती कपिला कुमावत

सुमित्रा कुमावत

सुमित्रा कुमावत (वार्ड नं. 76 ग्रेटर) : आप **कांग्रेस** के टिकिट पर उम्मीदवार हैं। आप युवा एडवोकेट हैं तथा सर्वसमाज के सहयोग से जीत की उम्मीद रखती हैं। आपने जन समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा आमजन के हित में कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया है।

श्री बद्रीनारायण कुमावत (कांग्रेस वार्ड 25) : आप राजनीति में शिक्षात्मक, अनुशासनात्मक और विकासात्मक माहौल के लिए कांग्रेस से उम्मीदवार है। आपने पानी एवं बिजली की समस्या , चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सीवरेज तथा सफाई इत्यादि के लिए कार्य करने का संकल्प लिया है।

श्री बद्रीनारायण कुमावत

श्रीमती किरण वर्मा

श्रीमती किरण वर्मा (वार्ड 138 ग्रेटर) : आप गांधीनगर-बापूनगर क्षेत्र से **निर्दलीय प्रत्याशी** के रूप में चुनाव मैदान में हैं। आपने जन समस्याओं के निराकरण के लिए सतत् संघर्ष कर आमजन को लाभान्वित करने के लिए तत्पर रहने की घोषणा की है।

शेष अगले पृष्ठ 6 पर ...

पिछले पृष्ठ 5 से निरन्तर...

जयपुर नगर निगम चुनाव में पार्षद के लिए कुमावत उम्मीदवार

कांग्रेस से

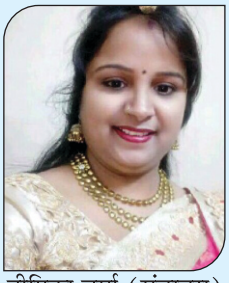

दीपिका वर्मा (मंडावरा)
ग्रेटर वार्ड नं. 51

भाजपा से

मधु कुमावत
हेरिटेज वार्ड 28

भाजपा से

नेहा कुमावत, बी.एड.
ग्रेटर वार्ड नं. 146

ग्रेटर निर्दलीय

भागचन्द वर्मा
ग्रेटर वार्ड 131

ग्रेटर निर्दलीय

राजेश कुमावत
ग्रेटर वार्ड 135

पंचायत चुनावों में विजयी रहे समाज के सभी उम्मीदवारों को कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

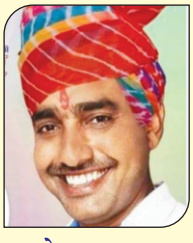

महेन्द्र कुमावत
रोजड़ी

रतन लाल कुमावत
गूंगा

रामगोपाल बासनिवाल
मंडा भीमसिंह

जगदीश कुमावत
झालरिया

मनीषा देवी कुमावत
पुरोहित का बास

मंजू बाला
थांवला (नागौर)

छोटूराम कुमावत
लालासर

कांता देवी
गोविन्दसर

छीतरमल मावत
हिंगोनिया

सरला कुमावत
आसलपुर

शांति देवी
तेज्या का बास

कमल कुमावत
जालसू, डेगाना

नवरतन कुमावत
काजीपुरा

ऋतु कुमावत
हरसोली

श्री आलाराम कुमावत
भादरेश, बाड़मेर

अनोप देवी
अलोली, केकड़ी

गोपाल लाल कुमावत
परसोली, आसींद

विमला देवी
दांता

संजू कुमावत
डेहरा

हरजीराम
हडवा

पन्नालाल कुमावत
कुली (सीकर)

पवन कुमावत
राजेड़ी

गोरा देवी कुमावत
जोरपुरा,जोबनेर

पुष्पा कुमावत
काचरोदा

गणेश कुमावत
नेतसी, जैसलमेर

अर्जुन कुमावत
डूंगरसिंह का वास

मगाराम कुमावत
उत्तम नगर कराड़ा

राहुल कुमार कुमावत
पचार, दांतारामगढ़

यदि कुछ विजयी उम्मीदवारों का नाम उपर्युक्त सूची में नहीं आया है तो कृपया अपना फोटो, नाम तथा पंचायत का नाम अंकित करके आगामी अंक में प्रकाशनार्थ पत्रिका कार्यालय को भिजवायें।

सुरेश कुमावत को ईलाज के लिए मदद दी

हिण्डोली उपखण्ड की ग्राम पंचायत रघुनाथपुरा के बुजुर्ग पिता दीपचंद कुमावत के 26 वर्षीय जवान बेटे **सुरेश कुमावत** को ब्लड कैंसर होने से उसके पिता ने ईलाज के लिए पाई-पाई फूंक दी तथा कर्ज लेकर भी इलाज कराया। इसके ईजाज में 8-10 लाख रुपए खर्च हो गये हैं। सुरेश के हर 7 दिन में ब्लड चढ़ता है, डॉक्टरों व अस्पताल का खर्च तथा आने-जाने का खर्च अलग से हो रहा है। अब इलाज के पैसे नहीं होने से किसी फरिश्ते का इंतजार है।

मदद की पहल

क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति, बूंदी की ओर से समाज के भामाशाहों के सहयोग से 85 हजार रुपए की सहायता राशि सुरेश कुमावत के घर जाकर दी गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल कुमावत, महामंत्री रघुनाथ कुमावत, उपाध्यक्ष बंशीलाल, कोषाध्यक्ष एवं सरपंच मुकेश खांजरिया, इकाई अध्यक्ष पुरुषोत्तम आदि गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे।

कपिल कुमावत, अध्यापक सम्मानित

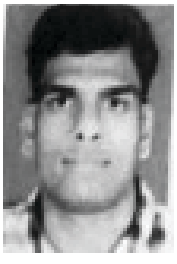

पंचायत समिति मुख्यालय दूदू के राजीव गांधी सेवा केन्द्र में दिनांक 15.10.2020 को ब्लॉक स्तरीय वर्चुअल कार्यक्रम में श्री अशोक कुमार मुख्य ब्लॉक शिक्षाधिकारी (समग्र शिक्षा अभियान) ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हिरनोदा के वरिष्ठ अध्यापक कपिल कुमार कुमावत को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। बधाई।

श्री दामोदर कुमावत उपायुक्त पद पर पदोन्नत

श्री दामोदर कुमावत (जलांधरा) पुत्र स्व. श्री नानूराम कुमावत निवासी शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर की पदोन्नति जयपुर विकास प्राधिकरण के उपायुक्त पद पर हुई है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा : घुटनों के दर्द का इलाज

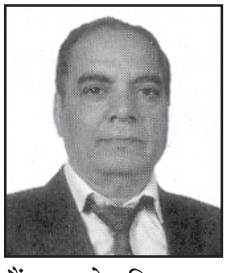

आजकल घुटनों का दर्द एक आम बीमारी बन गया है। एलोपैथी, सर्जरी आदि में लाखों रुपये का खर्च होता है तथा अधिकांश मामलों में दर्द का निवारण नहीं हो पाता। इस बीमारी का हम स्वयं भी प्रारंभिक स्तर पर इलाज कर सकते हैं। इसके लिए आप दोनों हाथ की मध्यमा और अनामिका अंगुली के बीच के जोड़ पर दबाव दें। इसी प्रकार पैर के बीच की दोनों अंगुलियों के बीच के जोड़ पर दबाव दें। इसके साथ ही दोनों पैरों के पार्श्व भाग (अंगूठे की तरफ) पर दबाव देकर आप अपने घुटनों के दर्द में आराम पा सकते हैं। इस प्रकार प्रारम्भिक स्तर पर घुटनों के दर्द का इलाज करके निजात पाई जा सकती है।

- **डॉ. अशोक कुमार,** एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ

रामपथ की चरण रज से मूर्तियाँ बन रही हैं

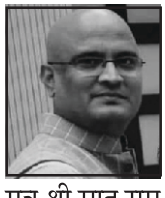

अयोध्या रामलीला कमेटी ने श्रीराम पथ की चरणरज (मिट्टी) एकत्र की थी इस मिट्टी से भगवान राम की बेहद खास दिव्य मूर्तियों का निर्माण करने का सौभाग्य मिला। श्री नरेश कुमावत पुत्र श्री मातु राम कुमावत को। इस बार रामलीला में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की मूर्तियों को स्थापित किया जायेगा जिसके भक्त दर्शन कर सकेंगे। रामलीलापूर्ण होने पर इनको सरयू में विसर्जित किया जायेगा। श्रीनरेश कुमावत, देश विदेश में विशाल मूर्तियों को बनाने के लिए जाने जाते हैं। अयोध्या में ही श्री नरेश कुमावत सरयू तट पर श्रीराम की 250 फिट ऊँची तथा हनुमान जी की 125 फुट ऊँची प्रतिमा का निर्माण कर रहे हैं।

डॉ. आशा कुमावत का सम्मान

डॉ सुश्री आशा जेठीवाल, निवासी किशनगढ़ रेनवाल, जयपुर का सामुदायिक केंद्र, बसोली, बूंदी में क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति, बूंदी की श्रीमती रवीना तोंदवाल द्वारा माला पहना कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष कन्हैयालाल नांगरिया आदि समाजबंधु उपस्थित थे।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के कार्यक्रम

राजसमंद जिलाध्यक्ष बने-विष्णु मानणिया

पिछले माह राजसमंद में निवर्तमान जिलाध्यक्ष श्री रतनलाल नांदोलिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में श्री विष्णु मानणिया, निवासी लवाण को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष बनाया गया। श्री गिरिराज खनाडिया प्रदेश संरक्षक, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजप्रकाश डूंगरवाल, कुमावत समाज रणछोड़चौकी अध्यक्ष सुन्दर लाल दोराया सहित सर्वश्री डालचन्द अजमेरा, दिनेश खनाडिया, बाबूलाल कुमावत भाटोली, पार्षद कैलाश कुमावत, गौरव मेरावंडिया एवं पूर्व जिलाध्यक्ष हरीश दईवाल ने सामुहिक रूप से साफा व इकलाई पहनाकर इनका सम्मान किया। इसके पश्चात् विष्णु मानणिया ने नवीन जिला कार्यकारिणी का विस्तार कर समाजबन्धुओं को जोड़ा।

रेलमगरा : श्री गिरिराज खनाडिया प्रदेश संरक्षक एवं श्री जगदीश सारड़ीवाल भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के प्रदेश कोषाध्यक्ष रेलमगरा क्षेत्र के बामणिया कलां गांव में शोकग्रस्त परिवारों के लोगों से मिलकर सांत्वना दी। इसके बाद कुमावत क्षत्रिय युवाशक्ति रेलमगरा तहसील के अध्यक्ष राजमल कुमावत के साथ समाज के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर समाज में एकता कायम रखने, कुरीतियों को दूर करने हेतु युवाओं से जागृत होने का आह्वान किया। इसमें महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष बालूराम डूंगरवाल व बामणिया चौकी कोषाध्यक्ष मांगीलाल कुमावत आदि समाजबन्धु उपस्थित थे।

बडानयागांव में राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति संगठन, बूंदी ने प्रदेश संरक्षक श्री गिरिराज खनाडिया का अभिनन्दन किया व समाज उत्थान पर चर्चा की। श्री खनाडिया ने कुरीतियों को त्यागने, बालिका शिक्षाको बढ़ावा देने, मृत्युभोज बंद करने व सामाजिक कार्यक्रमों पर अनावश्यक खर्च नहीं करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल नगरिया, रघुनाथ कुमावत महामंत्री, रघुनाथ कुमावत, संरक्षक महावीर कुमावत, बोरखेड़ा इकाई अध्यक्ष मदनलाल कुमावत, कुंडला इकाई अध्यक्ष मनोज कुमावत उपस्थित थे।

राजसमंद में समाज द्वारा वेबीनार का आयोजन : राजस्थान कुमावत क्षत्रिय युवा शक्ति राजसमंद द्वारा श्री विष्णु मानणिया की अध्यक्षता, प्रदेश संरक्षक श्री गिरिराज खनाड़िया के मुख्य आतिथ्य में तथा राजप्रकाश डूंगरवाल के विशिष्ट आतिथ्यि में युवाओं को जाग्रत करने के लिए एक वेबीनार का आयोजन किया। जिसमें संगठन एवं समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कोरोना काल में तकनीक के माध्यम से सोशियल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए वेबीनार का आयोजन करना समाज का सराहनीय कदम है।

मदनगंज किशनगढ़-आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण

क्षत्रिय कुमावत समाज के तत्वाधान में गोबरिया गणेश मंदिर सरवाडी गेट दिनांक 07.10.2020 को सुबह 7 बजे से 9 बजे तक मौसमी बीमारियों के बचाव हेतु रोग हितैषी आयुर्वेदिक चिकित्सालय अजमेर के सहयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी श्री गोविंद प्रसाद जी शर्मा सानिध्य में लगभग 2200 लोगों को रोग प्रतिरोधक काढ़ा का वितरण किया गया। इसमें मातृशक्तियों ने भी बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

इस काढ़े की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये रात को सारे मसाले भिगोए गये सुबह हाथों-हाथ कार्यकर्ताओ ने अपने हाथों से काढ़ा बनाया सभी समाज बन्धुओ के सहयोग से कार्य संपन्न हुआ

इसमें विशेष योगदान कमल जी टांक, महेश जी मारोठिया व अनिल जी मारोठिया का रहा।

समाज के गणमान्य इस अवसर पर मौजूद थे- सर्वश्री हेमचन्द, श्योजीराम, मदनमोहन, हरक चंद, कन्हैयालाल, रामाकिशन, प्यारेलाल, प्रह्लाद, कैलाश चंद, कमल, अनिल, महेश प्रभुदयाल तुंगरिया, सत्यनारायण, भागचंद, विनोद, कालूराम, सूर्य प्रकाश आदि। मातृशक्तियों ने भी अपनी सेवाएं दी। जिसमें श्रीमती शिमला घोड़ेला, नीतू , गंगा देवी, सरस्वती, ललिता, खुशबू, सोहनी देवी, पलक का कार्यक्रम के दौरान उत्साह व जोश सराहनीय था। मातृशक्ति के द्वारा काढ़ा वितरण के दौरान सभी को मास्क का उपयोग करने एवम नियमित रूप से अपने घर के सदस्यों को भी आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाने को आम जन को प्रेरित किया।

श्री कैलाश जी किरोड़ीवाल ने कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान सरकार की एडवाइजरी की पालना करने, श्री प्रभुदयाल तुंगरिया पतंजलि योग समिति किशनगढ तहसील सह प्रभारी ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये नियमित योग, प्राणायाम व काढ़े के सेवन एवं श्रीमति शिमला घोड़ेला अध्यक्ष क्षत्रिय कुमावत समाज किशनगढ परिक्षेत्र ने मातृशक्ति से सरकारी एडवाइजरी की पालना कराने में अपील की। **-प्रभुदयाल तुंगरिया,** मदनगंज किशनगढ अजमेर

सीकर जिले के दांतारामगढ़ के निवासी 26 वर्षीय BCA डिग्रीधारी श्री राहुल कुमार कुमावत पुत्र श्री प्रभुदयाल कुमावत पचार पंचायत समिति के सरपंच हेतु निर्वाचित हुए। आपने सभी को धन्यवाद देते हुए अपनी जीत को पचार के हर युवा की जीत बताई है। **- मनोज सिरसवा**

स्मृति शेष : श्री मोहनलाल जी किरोड़ीवाल (ठेकेदार) जयपुर

आपका जन्म 65 वर्ष पूर्व माता श्रीमती नानू देवी पिताश्री रामदेव किरोड़ीवाल के परिवार ग्राम रोजड़ी (फुलेरा) में हुआ। आपने मिडिल तक शिक्षा प्राप्त कर पिताजी के साथ भवन निर्माण कार्यों में लग गए। कुछ समय राज मिस्त्री के कार्य में निपुण होकर जयपुर में भवनों के निर्माण हेतु ठेकेदारी प्रारंभ कर दी। आपने निर्माण कार्य में बड़े-बड़े भवन सकुशल बनाए तथा नाम व धन खूब कमाया। कुमावत विद्यालय समिति, सोडाला, जयपुर हेतु सन् 2007 में आप 16 सदस्यों की टीम में भारी मतों से चुने गए। कोर्ट स्टे के कारण 2 वर्ष बाद 15 अगस्त 2009 को 16 सदस्यों के साथ शपथ ग्रहण की। स्कूल के नए भवन निर्माण में रु. 1,11,000 का योगदान दिया। जयपुर सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं अन्य समारोह में आर्थिक मदद करते रहे। आपने दादू पालकां धाम में प्रत्येक वर्ष पदयात्रा संचालित कर हजारों भक्तों को 13 वर्षों तक लगातार भंडारा, प्रसादी आदि का आयोजन आपके द्वारा नि:शुल्क किया। आपके चार भाई है तथा दो विवाहित पुत्र श्री भागचंद एवं एडवोकेट ओमप्रकाश किरोड़ीवाल हैं। आपने अपनी सुपुत्री सुनीता का विवाह ग्राम उगरियावास में किया।

आपका वर्तमान निवास जयपुर है। परंतु बड़ा दु:ख है कि आप 26 सितंबर 2020 को भरा पूरा परिवार छोड़कर बैकुंठ वास हो गए।

कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार दादू जी महाराज से प्रार्थना करता है की आपकी आत्मा को मोक्ष प्रदान कर अपने चरणों में स्थान प्रदान करें एवं परिवारजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

ओम शांति शांति शांति...

- हेमचंद खड़गटा

श्री गिरधारीलाल कुमावत स्वयं सेवी शिक्षण संस्था संघ के प्रदेश मंत्री मनोनीत

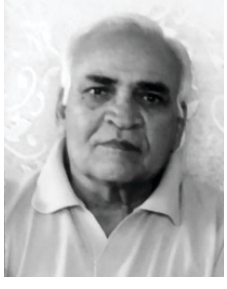

स्वयं सेवी शिक्षण संस्थान संघ राजस्थान के प्रदेश मंत्री पद पर ज्योति शिक्षण संस्थान, उदयपुर के संस्थापक श्रीमान गिरधारीलाल कुमावत को मनोनीत किया गया है। आपने शिक्षा के क्षेत्र में अपना अभूतपूर्व योगदान देते हुए उदयपुर में अनेक शिक्षण संस्थाएं स्थापित की है। आपके प्रयास से उदयपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाने की शुरुआत की गई थी। आप कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रारंभ से सलाहकार हैं। आपके द्वारा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किया गया है।

स्वयं सेवी शिक्षण संस्थान संघ राजस्थान के प्रदेश मंत्री पद पर मनोनीत होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई।

नये सदस्य

संरक्षक

श्री प्रशांत अजमेरा, प्रतापनगर, जयपुर
श्रीमती पूनम कुमावत, सांगानेर,जयपुर

10 वर्षीय सदस्य

श्री मोहन लाल गुड़ीवाल, प्रतापनगर, जयपुर
श्री गोपालसिंह, बीकानेर
श्री मुन्ना लाल वर्मा, बूंदी
श्री प्रमोद कुण्डलवाल, लालकोठी, स्कीम
श्री भगवान सहाय कुमावत, उदयपुर
श्री रोशन लाल मामोडिया, सोडाला, जयपुर
श्री भगवान सहाय, बबेरीवाल, रानीसती नगर, जयपुर

5 वर्षीय सदस्य

श्रीमती शशिप्रभा, रानीसतीनगर, जयपुर
श्री राजेन्द्र प्रसाद, स्वामीबाग, आगरा
श्री गुरुशरण मारवाल, सांगानेर
श्री दीपचन्द कुमावत, चांदपोल बाजार, जयपुर
श्री कैलाश कुमार देवतवाल, स्वेजफार्म, जयपुर
श्री आर.एस. वर्मा, स्वेज फार्म, जयपुर
श्री नवरतन कुमार, स्वेज फार्म, जयपुर
श्री रामगोपाल बबेरीवाल, टोंक फाटक, जयपुर

अच्छे विचार, अच्छे संस्कार, अच्छी सोच, अच्छा व्यवहार तथा अच्छा ज्ञान हमारे व्यक्तित्व की निशानी है। किन्तु यह सब मोबाइल फोन, इन्टरनेट व शैक्षणिक डिग्रियों से हासिल नहीं होता न ही सोशियल मीडिया के अधकचरे संदेशों से कुछ मिलता है। यह सब अर्जित व अंगीकार होगा पत्र, पत्रिकाएं व अच्छे लेखकों की पुस्तकें पढ़कर। अच्छे गुण एक व्यक्ति को व्यक्तित्व की पूर्णता प्रदान करते हैं। उसकी खुली सोच और विचार को समाज में महत्व मिलता है तथा उसके सामाजिक व्यवहार से लोग स्वत: आकर्षित होते हैं व समाज में प्रशंसा होती है।

कोरोना काल और पिसता मूक मध्यम वर्ग

पिछले 22 मार्च से देश की दशा व दिशा दोनों ही पटरी से उतर चुकी है। अमीर और अमीर हुआ जा रहा है पर गरीब की भी इस बार मौज हुई है..!!

इन दोनों ही वर्गों के लिए देखा जाये तो यह महामारी एक वरदान जैसी सिद्ध हुई है , क्योंकि अमीर के पास धन-सम्पदा व सभी संसाधन पहले से ही थे, इसलिए इस वर्ग ने इस अवसर को आर्थिक लाभ से भुनाने में कोई कसर नही छोड़ी, फिर चाहे निजी अस्पताल के मालिक हो, या मेडिकल स्टोर के, फल-सब्जियों के विक्रेता हो या स्कूल वाले, बैंक वाले हो या बिजली वाले, कॉरपोरेट हो या निजी कम्पनी वाले (जिन्हें उनका कर्मचारी Work From Home के रूप में 24 घण्टे के लिए उपलब्ध हो गया, पूरे हफ्ते के लिए क्योकि अब वो घर पर है तो कोई बहाना नही है)। हद तो यह हो गई है कि कुछ कम्पनियो ने तो नौकरी की सुरक्षा के चलते पिछले 3 महीने से बिना पगार काम करवा रहे है और लोग नोकरी छूट जाने के डर से कर भी रहे है। अगर यह मानवीयता है तो फिर हम इस महामारी को उन पूंजीपतियों, सरकारों, व्यवस्थाओं और चौथे स्तम्भ मीडिया को अवसरवादिता क्यों न कहें.... ?

अब हम **गरीब पक्ष की बात** करते है तो, उनकी स्थिति पहले से ज्यादा बेहतर हुई है, जो पहले से ही गरीब था उसके लिए महामारी कोई नई बात नही थी, इसके विपरीत यह महामारी तो उनके लिए एक वरदान की तरह आयी है मुफ्त में राशन मिल रहा है, खातों में पैसा आ रहा है, हर वो लाभ जो सरकार अपनी उदार छवि को सत्ता में बने रहने के लिए उपयोग में लाकर इस बड़े तबके के वोट बैंक को सम्हाल कर रखने की आवश्यकता की उदर पूर्ति कर रही है। अत: उनका वोट बैंक बना रहेगा क्योंकि उनके मत की कीमत उतनी ही है जितनी एक बुद्धिजीवी या धनी व्यक्ति की।

तो फिर कोरोना का असर किस पर पडा रहा है, कौन है जो इसके प्रकोप से चौतरफा मार झेल रहा ... ? तो **यह वर्ग है आप - हम** जिसे व्यवस्था **निम्न मध्यम वर्ग** कहती है , जो दशकों से अपने मूलभूत अधिकारों के प्रति मूक-बधिर और अंधा बना हुआ है...! पिछले महीनों में पूरे देश मे बिजली के बिल 4 गुना आये पर यह चुप रहा, बारिश में हर वर्ष फसता है, घरों में पानी, बाढ़ जैसे सब तरह की मार झेलता है पर चूँ तक नहीं करता है। सड़को पर गढ्डे और ट्रैफिक में रोज जकड़ता है पर चुप.. ?

नौकरी नहीं है, व्यापार ठप्प है पर बच्चो के भविष्य के नाम पर ऑनलाइन शिक्षा की मोटी-मोटी स्कूल फीस के बोझ तले दबा है पर फिर भी चुप... ? सरकार के सभी तरह के करो के भुगतान में पिसता रहता है पर फिर भी चुप.. ? कोरोना काल में टैक्स का भार बढ़ा है फिर भी चुप... ?

न जाने कितने ऐसे अनगिनत मार झेलता रहता है पर फिर भी एक बंधुआ मजदूर की तरह अपना शोषण करवाता रहता है और विडम्बना देखो की इस वर्ग को लगता है कि वो फिर भी विकसित व शिक्षित है। वह अपने ही बनाये हुए अहम और वहम के जाल में फंसा हुआ है यह निम्न, मध्यम वर्ग, परन्तु इसे न खुली आँखों से दिखता है न बंद से।

इस वर्ग पर दोहरी मार तो दशकों से पड़ ही रही थी अब कोरोना ने रही-सही खुले में सांस न लेने की मार भी मार दी। पर यह वर्ग जिसे हम निम्न मध्यम वर्ग के रूप में जानते है जिसमे हम-आप सहित देश की कुल आबादी का 60% हिस्सा आता है। उस पर यह तिहरी मार जबरन-बलात पड़ रही है और विडम्बना देखिए कि इतनी बड़ी आबादी, केवल अपने इस मिट्टी में मिलने वाले शरीर के आराम और झूठी इज्जत के बोझ तले, एक ऐसे बहाने से कायर बना बैठा है जिसे वो बड़े **शान** से कहता है कि हमें घर चलाना है, हमें परिवार पालना है, हमें जीना है। कैसे यह 60% आबादी जो अपने जन्म से ही एक अदृश्य डर की गुलामी करने पर अपने अन्त:करण से मजबूर है... ? और उस पर तंज यह है कि यह आबादी अपने आप को तरक्की शील, विकसित, मॉर्डन, लोकतांत्रिक व्यवस्था की सर्जक मानती है। यह आबादी एक ऐसे मनोरोग से ग्रसित हो चुकी है जिसका कोई इलाज नही है। **दरअसल जो अंग्रेज चाहते थे एक कोल्हू के बैल की तरह विकसित दिखने वाला किन्तु मानसिक गुलाम रहे आज वही यह मध्यम वर्ग बन गया है।**

अब समझिए कोरोना के समय लोक डाउन में देश की सभी बिजली वितरण कम्पनियो ने जून के बिल 3 से 4 गुना बढ़ा कर भेजे पर बिजली कम्पनियो को शायद ही किसी ने शिकायत करने की हिम्मत दिखाई होगी। सिर्फ टीवी देखा कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा की तर्ज पर सुशांत सिंह की हत्या या आत्महत्या के खेल को इस मीडिया और एंकरों और घटिया पत्रकारिता के नमूनों को तमाशबीन बनी देखती रही, और इन बगुला-भक्तों से यह उम्मीद करती रही कि ये आपके हक की बिजली की, नोकरी की, खत्म होते व्यापार की, स्कूल की फीस की, घटिया राशन और रोज हजारों परिवारों के खोते हुए सदस्यों के, इंसाफ की लड़ाई के लिए आवाज उठाएंगे.... ?? पर ये सिर्फ अपनी TRP से मिलने वाले विज्ञापनों की लड़ाई ही लड़ते है।

अब आगे बात करते है बैंक लोन घर के, कार के, क्रेडिट कार्ड, शिक्षा, शादी, बाइक सभी तरह के लोन की, सरकार ने 6 महीने का मोरोटोरियम पीरियड दिया कि आपको किसी भी प्रकार की किस्तें चुकाने का कोई दवाब नही है जो सक्षम है वो किस्तें चुकाए जो नही है वो 6 महीने तक राहत ले, और हम सब हो गये खुश। अब 31 अगस्त के बाद सरकार ने कहा कि अर्थव्यवस्था खतरे में है, बैंक खतरे में है , तो अब आपको कर्ज चुकाना शुरू करना पड़ेगा, हम आपको एक और सुविधा देते है कि आप अपने कर्ज के समय को 2 साल तक आगे बढ़ा सकते है जिसका सीधा-सीधा अर्थ यह है कि जो कर्ज 6 महीने

में चुकता हो सकता था वो अब आप 24 महीने में बढे हुई ब्याज दर से और इस मोरोटोरियम समय के ब्याज के ऊपर ब्याज भर कर हम चुकाएंगे ,यह सुविधा आपको उपलब्ध हुई, हमें पता ही नही चला कि हम कैसे ठगे गए, 6 महिने में कोई काम नहीं है, बचत खत्म हो गई है, अभी तक दवा या इलाज का कोई ठिकाना नही है अब आप अपनी जान को जोखिम में डाल कर रोजी-रोटी और सरकार के कर चुकाने, बैंकों के ब्याज चुकाने , महंगे हुए खाद्यान को चुकाने के लिए घर से न चाहते हुए भी जान जोखिम में डाल कर निकले और जख्मो पर नमक आप ये सुनिए कि (जब किसी को कॉल करते है तो सरकारी फरमान सुनने को मिलता है कि अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है परन्तु आप बेहद जरूरी हो तो ही घर से निकले, इसका मतलब है हमने सूचित कर दिया है कुछ हो गया तो सरकार जिम्मेदार नही है)। अब अगर आप गलती से बीमार हो गए तो निजी अस्पताल आपको गिद्ध की तरह नोचने के लिए तैयार बैठे है (हम सभी अस्पताल और डॉक्टरों का सम्मान करते है परन्तु जिन्होंने इस महामारी के समय भी अमानवीयता दिखाई है, जिनके कई उदाहरण देखे व सुने है उन सभी के लिए हमारे यह शब्द है)। हम ईमानदार अस्पताल व डॉक्टर को भगवान का दर्जा देते है क्योंकि जीवन देने का काम या तो ईश्वर करता है या डॉक्टर।

जाने कितने ही ऐसे अमानवीय उदहारण आये की लैब की टेस्टिंग में गड़बड़ी, निजी अस्पतालों के लाखों के बिल (जो बिना इलाज के , बिना वेक्सीन के ,इतना बिल कैसे... ? है ना डर का कमाल, कोई मर भी जाए तो ना पोस्टमार्टम, न जांच, न अंतिम दर्शन सीधा मशीन में)।

वहीं पर जानवरो के खाने से भी बदतर राशन , रास्ते पर चलते लाखो परिवार जिनमे कितने मरे उसका कोई हिसाब नही और हिसाब नही है तो कोई मुआवजा भी नही, और ऐसा कतई नही है कि हमें यह सब पता नही है, पर हम इतने संवेदनहीन हो चुके है कि अपने स्वंय के साथ हो रहे शोषण को भी खुशी-खुशी सहन कर इस बोझिल जीवन को जी रहे है तो अनजान के लिए दया या संवेदना की जगह कहा होंगी भला.... ?

एक नकारात्मक सोच हो सकती है पर इस एकांकी होते परिवार, में, मेरा, और मुझे की प्रवर्ति इस देश को खोखला कर रही है, मात्र भौतिक विकास के चलते हम मानवता और संवेदना खोते जा रहे है, इसके दुष्प्रभाव अदृश्य है पर हम सभी पर असर कर रहे है।

इसलिए अगर आप को लगे कि हम निम्न मध्यम वर्ग से है तो अपने हक के लिए लड़ना शुरू करें। जो सरकार है या आने वाली होगी उन्हें अपने आप को मात्र एक वोट के रूप में इस्तेमाल न होने दे, स्वास्थ्य ,रोजगार, शिक्षा पर सवाल करे , यह पूछे कि जब चीन में कोरोना नवम्बर मे दस्तक दे चुका था तो हमने 22 मार्च तक क्यो इंतजार किया... ?

क्यों हम पूरी दुनिया को पीछे छोड़ते हुए महामारी से ग्रसितो और मरने वालों की संख्या में दूसरे पायदान पर इतनी तेजी से पहुँच गए है... ?

हमारे देश मे 1लाख से ऊपर लोग इस महामारी से मर गए यह तो सरकारी आंकड़ा बताता है अगर हम गैर सरकारी आंकड़ें की बात करे तो यह संख्या 4-5 गुना हो सकती है जो इस बीमारी और इसके दुष्प्रभाव का परिणाम है।

हमारे लिए मृतकों की संख्या एक यह संख्या मात्र हो सकती है पर जिनके घर से उनका सदस्य गया है उनके जीवन की क्षति अब इस जीवन मे कभी पूरी नही होगी, अगर हम यह सोचकर चुप है कि हमें घर चलाना है तो कभी न कभी हमारा भी नम्बर आ सकता है और जैसे हम आज मूक-बधिर बने हुए है वैसे ही अन्य भी हमारे समय पर ऐसा ही रोल निभाएंगे।

इन न्यूज चैनल्स की विश्वसनीयता और पत्रकारिता टीआर पी के लिए सार्वजनिक रूप से शर्मसार हो चुकी है और विडम्बना देखिए कि फिर भी बेरोकटोक, बेशर्मी से अपनी दुकान चला रहे है।

निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते है कि इन 7 दशकों में हम जीवन के हर क्षेत्र में हीनता व व्यभिचार और नैतिकता के रसातल को ही प्राप्त हुए है। कहने को हम आजाद और प्रगतिशील है पर वस्तुस्थिति में हम एक ऐसी बीमार, अमानवीय, अराजक व्यवस्था के बवंडर से घिरे हुए है,कि हम तब तक ही स्वतंत्र होने के भ्रम में है जब तक हम इस चक्रव्यूह से बचे हुए है। जिस दिन किस्मत से हारे और अस्पताल, कानून, न्याय, प्रशासन ,निजी बैंकों के जाल में फंसे, उस दिन इस देश से बदतर कोई जगह नही होगी । यह एक जीवंत हवा में फैला हुआ जहर है जिसमें हर व्यक्ति अपने-अपने हिस्से का शोषण करने और करवाने को तैयार बैठा है।

हम-आप अगर इस व्यवस्था को बदलना चाहते है तो अपने परिवार-सगे सम्बन्धियों, मोहल्ले के लोगों की तकलीफों -मजबूरियों में उनके काम आना शुरू करे। आने वाले त्यौहार आपकी-हमारी इस पहल में सहायक बनेंगे, देखे इस दिवाली किसी परिचित के यहां कोई समस्या न हो। सार्वजनिक जीवन में अपने कर्तव्य को निभाये, स्वच्छता, शिक्षा, अपनत्व का प्रसार-प्रचार करें। अगर हम सब हक के सवाल करने लगे तो व्यवस्था और व्यवस्थापक को जवाब देने पड़ेंगे, यह इतना मुश्किल नही है, यह एक आत्म आंदोलन है , याद रहे जैसा व्यवहार आप औरों से करेंगे हमारा मानना है कि प्रतिउत्तर में आप उससे भी अधिक कुशल व्यवहार प्राप्त करेंगे। हर कोई आज प्यार और सच्चे सम्मान के लिए तरस रहा है परन्तु पहले आप -पहले आप के फेर में बैठा है।

मेरे शब्दों से किसी को ठेस पहुची हो तो में क्षमाप्रार्थी हूँ, पर आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए , देश के लिए लिखना जरूरी है , दशहरा पर कोरोना और करप्ट व्यवस्था को जलाने का हम संकल्प ले और फिर से स्वछंद - स्वतंत्र खुशहाल खुली हवा में दिवाली मनाने की तैयारी करे।

स्वस्थ रहे-सजग रहे।

नमस्कार, जय हिन्द

- **मुकेश नीमिवाल,** मुम्बई

कुमावत गौरव

श्री नवरतन राजोरिया, एडवोकेट (पूर्व विधायक, फुलेरा)

पृष्ठ 5 से आगे...

भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में फुलेरा विधानसभा से 1993 में उन्होंने पहली बार, इसके पश्चात् 1997 के उपचुनाव और 1998 के विधानसभा चुनाव में भी अपना भाग्य आजमाया लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी ओबीसी प्रकोष्ठ राजस्थान के अध्यक्ष का कार्यभार संभाल और प्रदेश ही नहीं देश भर में अपनी पहचान बनाई। 2003 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में फिर एक बार भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मैदान में थे और आपने कद्दावर जाट नेता (पाँच बार के विधायक और सांसद) रह चुके डॉ. हरि सिंह को करारी शिकस्त दी। इसी के साथ जयपुर जिले से एक कुमावत को राजस्थान विधानसभा में प्रतिनिधि मिला और फुलेरा विधानसभा उस जीत के बाद राजस्थान विधानसभा में कुमावत सीट के नाम से जानी जाती है। विधायक के रूप में जयपुर विकास प्राधिकरण के सदस्य रहे एवं राजस्थान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य एवं स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन का दायित्व भी निर्वाह किया।

सक्रिय राजनीति में रहते हुए भी नवरतन जी ने सामाजिक कार्य नहीं छोड़ा और कुमावत समाज को जोड़ने और आगे बढ़ाने का कार्य करते रहे। 2001 में इन्होंने पुनः श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, जयपुर की कमान अध्यक्ष के रूप में संभाली और 21 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जिसमें स्व. श्री भैंरोंसिंह शेखावत तत्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। 2004 में विधायक रहते हुए श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, बंधे के बालाजी की स्थापना में योगदान दिया और समिति के संरक्षक के रूप में स्थापित किए गए। 2005 में कुमावत समाज विकास समिति, किशनगढ़-रेनवाल की स्थापना करवाकर कुमावत भवन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया एवं 2 करोड़ रुपए की सहयोग राशि जुटाई। 2006-07 में जयपुर विकास प्राधिकरण के सदस्य के रूप में मालवीय नगर विकास समिति, जयपुर द्वारा कुमावत सामुदायिक भवन के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण से भूखंड का आवंटन करवाकर भवन निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अध्यक्ष रहते हुए महासभा कुमावत समाज के तत्वावधान में 2008, 2009 और 2010 में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सामूहिक गोठ का आयोजन किया जिसमें हर बार करीब 10000 समाज बंधुओं ने भाग लेकर समाज की एकता का परिचय दिया। नवरतन जी की अनेक उपलब्धियों को ध्यान में देखा जाए तो प्रतीत होता है कि उन्होंने कुमावत समाज को सिर्फ राजनीतिक प्रतिनिधित्व ही नहीं दिया बल्कि समाज को शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक एवं विशेषकर राजनैतिक विकास की राह दिखाई है। उन्होंने समाजबंधुओं, जिनमें युवा और महिलाएं भी शामिल हैं, को प्रोत्साहन और विश्वास देकर आगे बढ़ाने का कार्य किया जिनमें से कई पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, प्रधान नगर पालिका, नगर निगम सदस्य एवं नगरपालिका चेयरमैन जैसे प्रतिष्ठित राजनीतिक पदों तक पहुंचे और कुमावत समाज में राजनीतिक जागृति पहुँची।

नवरतन जी के परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती सुमनलता एवं दो पुत्र निशांत एवं प्रशांत हैं। श्रीमती सुमनलता जी कला संकाय में स्नातक एवं अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर है। पुत्र निशांत अभियांत्रिकी में स्नातक (B.E. कंप्यूटर साइंस), लोकनीति, विधि एवं प्रशासन विषय में स्नातकोत्तर, विधि एवं प्रशासन विषय में एम. फिल. एवं पीएच.डी. में अध्ययन है। एक पुत्र प्रशांत प्रौद्योगिकी में स्नातक (B.Tech.) हैं व स्वयं के व्यवसाय में कार्यरत है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

शहीद सीताराम कुमावत की जयंती मनाई

शहीद सीताराम कुमावत जन सेवा संस्थान द्वारा पलसाना शहीद सीताराम कुमावत के 46वें जन्मदिन को कोरोना गाइडलाइन के अनुसार शहीद स्मारक, राजकीय विद्यालय प्रांगण, पलसाना में 2 अक्टूबर सुबह 8.30 बजे पुष्पांजलि अर्पित करके मनाया गया। इस अवसर पर वीरांगना सुनीता देवी, पुत्री प्रियंका कुमावत, सरपंच रूपसिंह शेखावत, शहीद के पिता बिरदीचंद कुमावत, कुमावत महासभा के प्रदेश संयोजक अजय मारवाल अजबपुरा सहित गणमान्य लोग सर्वश्री मोहन नेमीवाल, गुलजारी डेनवाल, मुकेश नेमीवाल, बनवारी मारवाल, राजेश कुमावत, नेमीचंद कुमावत, राजेन्द्र राठी, नरेश कुमावत, रामस्वरूप कुमावत, आशीष कुमावत, अंकित, हरिश

कादिया, प्रकाश कुमावत, सुभाष राव, बाबूलाल पंच गयारसी लाल गोवटी, नवीन सिरस्वा आदि उपस्थित थे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने भी शहीद सीताराम कुमावत को याद कर नमन किया।

जयहिन्द!

अगस्त, 2020 के अंक से 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने समाज की प्रतिभावान बालिकाओं एवं महिलाओं की उपलब्धियों का परिचय तथा समाज के उत्थान के प्रति उनके विचारों की जानकारी प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। आपके पास भी प्रतिभावान बालिकाओं एवं महिलाओं के संबंध में जानकारी है तो उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं फोटो सहित जानकारी इस पत्रिका में प्रकाशन हेतु भिजवाने का कष्ट करें।

श्रीमती पूनम कुमावत

जी-6, मार्ग ए-4, कुमावत कॉलोनी, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर

श्रीमती पूनम कुमावत समाज की जानी मानी महिला हैं। आप कक्षा 10 तक शिक्षित हैं। **वर्तमान में आप सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा महिला मोर्चा की अध्यक्षा हैं।** आपकी गायन, नृत्य, कविता एवं लेखन एवं समाज सेवा में रुचि है। आपको पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्वर्गीय वैद्य कन्हैयालाल मिश्र स्मृति आयुर्वेद संस्थान की ओर से वर्ष, 2016 में सम्मानित किया गया है। आपको महिला काव्य मंच की ओर से भी पुरस्कृत किया गया, आप इस मंच की उपाध्यक्ष हैं। आप राजनीति में भी हैं तथा भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय सदस्य व पूर्व मण्डल अध्यक्ष भी रही हैं। आपकी कविताएं '**अपनी जमीं अपना आसमां**' एवं '**काव्य निर्झर**' इत्यादि पुस्तकों में प्रकाशित की गई है।

आपका परिवार एक शिक्षित परिवार है। आपके पति श्री शंकरलाल कुमावत राजस्थान पुलिस में हैड कांस्टेबल है तथा तीन पुत्र है, ज्येष्ठ पुत्र भारतीय जल सेना से सेवानिवृत्त होकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में कार्यरत है, दूसरे पुत्र सशस्त्र सीमा बल में डिप्टी कमान्डेंट है तथा कनिष्ठ पुत्र रक्षा लेखा विभाग में ऑडिटर पद सेवा दे रहे हैं। आपने अपने पुत्रों को देश की रक्षा सेवा में भिजवाकर आपने कुमावत समाज का राष्ट्र की रक्षा में योगदान को बढ़ाया है।

महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में आपके विचार हैं कि समाज की महिलाएं पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ समाज सुधार हेतु भी समय निकालें, वे एकजुट होकर सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं एवं अपने बच्चों को टेक्नीकल एज्यूकेशन दिलाने की ओर अग्रसर हों। इससे हमारे समाज की पहचान एक जागरूक एवं जिम्मेदार समाज के रूप में हो सकेगी।

समाज के कार्यकर्ताओं को मिले उचित स्थान

मेरे जीवन के अनुभव एवं जीवनकाल में घटे हुए घटनाक्रमों के आधार पर मेरा यह विचार है कि समाज के सक्रिय कार्यकर्ताओं को संस्थाएं उचित पद एवं सम्मान देवें जिससे कि उनका मनोबल एवं उत्साह बढ़े। मैंने देखा है कि इसके अभाव में अच्छे कार्यकर्ता सामाजिक सेवा से विलग हो जाते हैं जिसका लाभ समाज को नहीं मिल पाता। मैं ऐसे कुछ लोगों एवं संस्थाओं का नाम दे सकता था किंतु ऐसा करना उचित नहीं है। आप सभी समाजजन एवं संस्थाओं के पदाधिकारी समझदार हैं, मेरी इस भावना को समझेंगे जिससे हमारे समाज की संस्थाएं सुचारू रूप से चल सकेगी तथा समाज को नए, अच्छे एवं सक्रिय युवा कार्यकर्ताओं के माध्यम से समाज सेवा के कार्य को सरल रूप से आगे बढ़ा सकेगी।

- हेमचन्द खड़गटा

एक बहस : 'भात' एवं 'दहेज' की सार्थकता

प्राचीनकाल से चली आ रही कुछ परंपराओं अनावश्यक प्रथाओं को आजकल धीरे-धीरे कम किया जा रहा है और कुछ अच्छी रीतियों को अपनाया भी जा रहा है। आजकल लोगों के पास समय का अभाव है। शादियाँ पहले जितनी रिवाजों से नहीं होती, फलत: शादियां एक या दो दिन में पूर्ण कर ली जाती हैं। इन्हीं परंपराओं में एक है '**भात**' जिसे लड़की या लड़के के ननिहाल से भारी भरकम खर्चे व लवाजमे के साथ शादी वाले घर में दिया जाता है। हमारे समाज में भात (पहरावनी) का प्रचलन बच्चे के जन्म, मुण्डन व विवाह में तो होता ही है, यहां तक किसी के निधन होने पर 12वें/13वें पर भी कपड़े देने का रिवाज है।

शादियों में एक गंभीर समस्या वधु पक्ष की ओर से दिया जाने वाला '**दहेज**' भी है जिसे जुटाने के लिए माता-पिता अपने पूरे जीवनकाल की जमा पूंजी को तो खर्च कर देते हैं यहां तक कि लड़की के माता-पिता कर्जे के बोझ तले डूब जाते हैं। भात व दहेज की रिवाज पर खर्च अनुत्पादक है तथा शायद ही किसी परिवार व समाज को इससे लाभ हुआ हो।

उपरोक्त दोनों ही कुरुतियाँ हमारे समाज में अनावश्यक आर्थिक व मानसिक बोझ का बड़ा कारण है जिनसे उबरना अत्यंत आवश्यक है। समाज को इस बारे में आवश्यक विचार कर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 'भात' व 'दहेज' के औचित्य पर एक सार्थक चर्चा करनी चाहिये। अत: पाठकगणों से निवेदन है कि **अपने-अपने विचार लेख के रूप में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को (स्वयं की फोटो सहित) भेजें जिन्हें प्रकाशित किया जायेगा** तथा आपके अनुपम विचारों का लाभ हमारे समाज को मिल सकेगा एवं इन कुरीतियों को समाप्त करने का समाज में माहौल बन सकेगा।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

आप भारत के रक्षा वैज्ञानिक थे, वर्ष 1999 में परमाणु परीक्षण आपके नेतृत्व में हुआ। भारत में मिसाइल टेक्नोलॉजी के जनक थे। आपको वाजपेयी जी के कार्यकाल में **राष्ट्रपति** चुना गया। ये साधारण व्यक्तित्व के धनी थे, इनके बारे में अविश्वसनीय जानकारियाँ प्रस्तुत है-

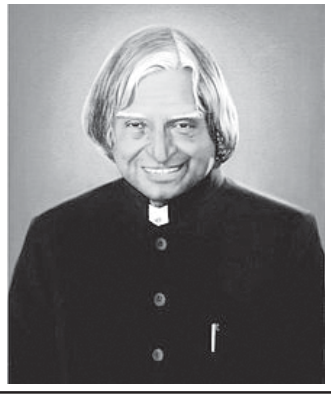

पृथ्वी पर ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जिसको समस्या ना हो और कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका कोई समाधान ना हो। मंजिले चाहे कितनी भी ऊँची क्यों ना हो उसके रास्ते हमेशा पैरों के नीचे से ही जाते है।

- एपीजे अब्दुल कलाम

डॉ. कलाम जब भी विदेश जाते थे तो उन्हें महंगे उपहार मिलते थे क्योंकि राज्य प्रमुखों को उपहार देने के लिए प्रथागत है। उपहार से इंकार करना राष्ट्र का अपमान माना जाता है। इसलिए, उन्होंने उन्हें प्राप्त किया और वापसी पर, डॉ कलाम ने उपहारों की फोटो खिंचवाने, कैटलॉग करने और अभिलेखागार को सौंपने के लिए कहा। बाद में उन्होंने कभी उनकी ओर देखा भी नहीं। राष्ट्रपति भवन से निकलने पर उन्हें मिले तोहफे में से एक पेंसिल भी नहीं ली।

वर्ष 2002 में, डॉ. कलाम ने पदभार संभाला, रमजान माह जुलाई-अगस्त में आया। राष्ट्रपति के द्वारा एक इफ्तार पार्टी देने की प्रथा रही है। डॉ. कलाम ने पूछा कि ऐसे लोगों की पार्टी क्यों करनी चाहिए जो पहले से ही अच्छी तरह से खिलाए गए हैं और इसका खर्चा पूछा तो बताया कि लगभग 22 लाख रुपए होगा। डॉ. कलाम ने उस राशि को कुछ चयनित अनाथालयों में भोजन, कपड़े और कंबल के रूप में दान करने के लिए कहा। अनाथालयों का चयन राष्ट्रपति भवन में एक टीम के लिए छोड़ दिया गया था और डॉ. कलाम की इसमें कोई भूमिका नहीं थी। चयन होने के बाद, डॉ. कलाम ने 1 लाख रुपये का चेक दिया एवं कहा कि वह अपनी व्यक्तिगत बचत से कुछ राशि दे रहे हैं और इसकी जानकारी किसी को नहीं दी जाये।

डॉ. कलाम को 'यस सर' टाइप के लोग पसंद नहीं थे। एक बार जब भारत के मुख्य न्यायाधीश उनसे मिलने आए और किसी विषय पर डॉ. कलाम ने अपने विचार व्यक्त किये और अपने सचिव श्री नायर से पूछा, 'क्या आप सहमत हैं', श्री नायर ने कहा 'नहीं सर। मुख्य न्यायाधीश हैरान थे और उन्हें अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा था। एक सिविल सेवक के लिए राष्ट्रपति से असहमत होना असंभव था और वह भी इतने खुले तौर पर।

एक बार डॉ. कलाम ने अपने 50 रिश्तेदारों को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया और वे सभी राष्ट्रपति भवन में रुके। उनके घूमने के लिए एक बस की व्यवस्था की जिसका भुगतान उनके द्वारा किया गया था। कोई आधिकारिक कार का इस्तेमाल नहीं किया गया था। उनके सभी रहने और खाने की गणना डॉ. कलाम के निर्देश के अनुसार की गई और बिल 2 लाख रुपये का आया, जिसका उन्होंने भुगतान किया। इस देश के इतिहास में किसी ने भी ऐसा नहीं किया है। डॉ. कलाम के बड़े भाई पूरे एक सप्ताह तक उनके कमरे में उनके साथ रहे क्योंकि डॉ. कलाम चाहते थे कि उनका भाई उनके साथ रहे। जब वे चले गए, डॉ. कलाम उस कमरे का किराया भी देना चाहते थे। उस देश के राष्ट्रपति की कल्पना करें, जिस कमरे में वह स्वयं रह रहा है, उसका किराया दे रहा है।

जब कलाम सर को अपने कार्यकाल के अंत में राष्ट्रपति भवन छोड़ना था, तो हर कर्मचारी से सपत्निक मुलाकात की और उनका सम्मान किया। मिस्टर नायर अकेले उनके पास गए क्योंकि उनकी पत्नी के पैर में फ्रैक्चर था और बिस्तर तक ही सीमित थीं। डॉ. कलाम ने पूछा कि उनकी पत्नी क्यों नहीं आईं। उसने जवाब दिया कि वह एक दुर्घटना के कारण बिस्तर पर है। अगले दिन, मि.नायर ने अपने घर के आसपास बहुत सारे पुलिसकर्मियों को देखा और पूछा कि क्या हुआ। ज्ञात हुआ कि भारत के राष्ट्रपति उनसे मिलने उनके घर आ रहे थे। वे आये और उनकी पत्नी से मिले। श्री नायर का कहना है कि किसी भी देश का कोई भी राष्ट्रपति किसी सिविल सर्वेंट के घर ऐसे छोटे से बहाने से नहीं जाएगा। एपीजे अब्दुल कलाम का छोटा भाई एक छाता मरम्मत की दुकान चलाता है, जब श्री नायर कलाम के अंतिम संस्कार के दौरान उनसे मिले, तो उन्होंने श्री नायर और ब्रदर दोनों के सम्मान के लिए उनके पैर छुए। डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम के निधन के बाद उनके द्वारा छोड़ी गई संपत्ति का अनुमान लगाया गया था। जिसमें- 6 पैंट (2 DRDO की वर्दी), 4 शर्ट (2 DRDO की वर्दी), 3 सूट (1 पश्चिमी, 2 भारतीय), 2500 किताबें, 1 फ्लैट (जो उसने दान किया है), 1 पद्मश्री, 1 पद्मभूषण, 1 भारत रत्न, 16 डॉक्टरेट, 1 वेबसाइट, 1 ट्विटर अकाउंट एवं 1 ईमेल आईडी। उनके पास कोई टीवी, एसी, कार, आभूषण, शेयर, जमीन या बैंक बैलेंस नहीं था। उन्होंने अपने गाँव के विकास के लिए पिछले 8 वर्षों की पेंशन भी दान कर दी थी। वह एक वास्तविक देशभक्त और सच्चे भारतीय थे। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सदैव हर भारतीय के दिल में रहेंगे।

श्री नवरतन राजोरिया, एडवोकेट (पूर्व विधायक, फुलेरा)

श्री नवरतन राजोरिया का जन्म 17 अक्टूबर, 1962 को स्व. श्री तोलाराम जी राजोरिया के पौत्र एवं स्व. श्री सत्यनारायण राजोरिया एवं स्व. श्रीमती रामप्यारी देवी के पुत्र के रूप में उनके पैतृक निवास खोरानिया का चौक, बाबा हरीश चन्द्र मार्ग, इंद्रा बाजार, जयपुर में हुआ। श्री नवरतन राजोरिया ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बाबा हरीश चंद्र मार्ग में शुरू की लेकिन उनके पिता का स्थानांतरण हो जाने के कारण अपनी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा कोटा नगर में पूर्ण की। आप कला (आर्ट्स) एवं विधि में स्नातक हैं। आपने 1986 से पेशेवर वकील के रूप में कार्य प्रारंभ किया जो आज भी जारी है।

विद्यार्थी जीवन से ही नवरतन जी की रुचि सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में रहीं जिसके कारण छात्रसंघ चुनावों में भागीदारी की और विजय प्राप्त कर अपनी पहचान बनाई। आप अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में अनेक पदों पर दायित्व निर्वाह करते हुए राजस्थान के संगठन महामंत्री के पद तक पहुंचे, जिसके पश्चात 1987 में भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के जयपुर शहर अध्यक्ष के रूप में सक्रिय राजनीति में कदम रखा।

आप एक राजनीतिक कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। वर्ष 1984 से ही श्री भारतीय कुमावत क्षत्रीय महासभा में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। वर्ष 1985 में कुमावत क्षत्रिय युवा मंडल की स्थापना कर बाल निवास, कल्याण जी का रास्ता, जयपुर में बालजी घोड़ेला की मूर्ति की स्थापना तथा युवाओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया। आपने श्री कुमावत क्षत्रिय यूथ ऑर्गनाइजेशन की स्थापना 1986 में की और 1992 तक उसके अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। आपने श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति की स्थापना (1990) में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं समिति के प्रथम महामंत्री के रूप में 8 जोड़ों के सामूहिक विवाह के भव्य आयोजन में अपना योगदान दिया। आपके प्रयासों द्वारा समिति के लिए बालविहार योजना में एक बीघा से भी अधिक भूमि दान में दिलवाई। 1990 में आप कुमावत क्षत्रिय सभा जयपुर के महामंत्री निर्वाचित हुए एवं बाद में अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। 1992 में श्री भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के कानून एवं संगठन मंत्री निर्वाचित हुए एवं ततपश्चात् उन्होंने महासभा की कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुख्य परामर्शदाता जैसे पदों पर कार्य निर्वाह किया।

....शेष पृष्ठ 12 पर

नये अध्यक्ष की कलम से

सम्माननीय पाठकों,

वन्दे मातरम।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने 3 वर्ष का सफर पूर्ण करके माह अगस्त से चौथे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। आपने इस नवीन पत्रिका को दिल से अंगीकार किया उसके लिए 'कुमावत प्रगति ट्रस्ट' की ओर से धन्यवाद। इस पत्रिका में समाज की प्रतिभावान शक्सियतों का परिचय, सामाजिक गतिविधियों के समाचार, स्वास्थ्य/कानूनी जानकारी, विद्वजनों के लेख, विवाह सम्बन्धी जानकारी आदि का प्रकाशन किया गया है। मेरा विश्वास है कि इससे समाज को निश्चय ही लाभ हुआ होगा।

पत्रिका के लिए जिन महानुभावों ने सदस्य बनकर, लेखन सामग्री व विज्ञापन देकर हमें अनुग्रहित किया है हम उनका आभार व्यक्त करते हैं एवं हमारा निवेदन है कि वे निरन्तर अपना सहयोग पत्रिका को देते रहे।

हम सभी आपको विश्वास दिलाते हैं कि '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका में बहुउपयोगी सामग्री का प्रकाशन करते रहेंगे। हमारे द्वारा पिछले 2 अंकों से '**महिला सशक्तिकरण**' पर लेख प्रकाशित किये जा रहे हैं व महिलाओं के विचार प्रकाशनार्थ आमंत्रित किये गये हैं। समाज की महिलाएं अपने विचार पत्रिका को प्रेषित करने का कष्ट करें। पत्रिका में और अधिक सुधार के लिए आपके विचार एवं मार्गदर्शन सदैव स्वागत योग्य है। प्राप्त सुझावों से पत्रिका को और अधिक समाज उपयोगी बनाने में हमें मदद मिलेगी। कृपया सामाजिक गतिविधियों की जानकारी डाक या ई-मेल के माध्यम से भिजवाने का कष्ट करें।

रमेश चन्द कुमावत (गैदर)
अध्यक्ष

पीयूष कुमावत का (NEET) में चयन

पीयूष कुमावत पुत्र श्री प्रमोद कुमार कुमावत (अध्यापक) का (NEET) परीक्षा में एमबीबीएस करने के लिए चयन हुआ है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

किरण कुमावत का (JET) परीक्षा में चयन

किरण कुमावत पुत्री श्री नानगराम कुमावत (मारवाल) का चयन (JET) परीक्षा-2020 में चयन हुआ है। आपने ऑल राजस्थान महिला श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है जो कुमावत समाज के लिए गौरव की बात है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

जूही कुमावत ने किया JRF

जूही कुमावत, पुत्री डॉ. अशोक कुमावत निवासी स्वेज फार्म, सोडाला, जयपुर ने योग विषय में त्रष्ट एवं NET परीक्षा उत्तीर्ण करके जूनियर रिसर्च फैलोशिप (JRF) परीक्षाओं में 99.81 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। आपने इसी वर्ष योग विषय में परास्नातक (M.Sc.) में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आपकी इन उपलब्धियों से कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ है तथा आपकी इन उपलब्धियों का समाज को लाभ मिलेगा। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

केकड़ी के अजय कुमावत की NEETU में 93वीं रैंक

काजीपुरा निवासी दुर्गा लाल कुमावत के पुत्र अजय कुमावत ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEETU) में ऑल इंडिया में 93वीं रैंक हासिल कर परिवार सहित कुमावत समाज का मान बढ़ाया है। अजय ने 720 अंकों में से 700 अंक हासिल कर पूरे देश में ओबीसी वर्ग में 15वीं रैंक हासिल की है। आपके पिता घंटाघर के पास, केकड़ी में सोडा वाटर का ठेला लगाते हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आपको बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

मनीष कुमावत की JEE में 3rd रैंक

जेईई एडवांस परीक्षा में मनीष कुमावत ने देश में 3rd रैंक अर्जित की है। आप टैगोर पब्लिक सकूल, शास्त्री नगर, जयपुर में अध्ययनरत थे। अब आईआईटी में आपका निश्चित प्रवेश होगा।

आपकी मेहनत, लगन व प्रतिभा ने कुमावत समाज के नाम का परच ऊँचा किया है। आपकी सफलता के लिए 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

रिंकू कुमावत का इंदिरा प्रियदर्शनी अवार्ड के लिए चयन

श्री माधोपुर कस्बे की जालपाली स्थित राजस्थान सीनियर सैकण्डरी स्कूल की छात्रा रिंकू कुमावत का इंदिरा प्रियदर्शनी अवार्ड के लिए चयन हुआ है। इस अवार्ड के तहत छात्रा को एक लाख रुपए तथा 80 हजार रुपये प्रति वर्ष 5 वर्षों तक छात्रवृत्ति के रूप में मिलेंगे। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आपको बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

इंस्पायर अवार्ड हेतु मनीष कुमावत चयनित

खाचरियावास के कक्षा 12वीं के छात्र मनीष कुमावत का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा इंस्पायर अवार्ड 2020 के लिए चयन किया गया है। इंस्पायर अवार्ड में इन्हें स्नातक व स्नातकोत्तर उच्च शिक्षा के दौरान 5 वर्ष तक प्रति वर्ष 80 रुपए तथा कुल 4 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रोजेक्ट के लिए दी जाएगी। बधाई।

सीमा का एम्स (दिल्ली) में चयन

जाबरा क्षेत्र के गांव रणयारा, रतलाम के मध्यमवर्गीय किसान नागुलाल कुमावत की बेटी सीमा का चयन एम्स दिल्ली में होने से परिवार व गाँव में खुशी है। सीमा ने अपने परिवार को इसका श्रेय दिया जिनकी मेहनत का नतीजा है कि उसका सपना साकार हुआ। हमारे समाज की बेटियां किसी से कम नहीं हैं।

यदि उनका साथ दिया जाये तो बेटियां अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। सीमा ने इंदौर इन्डेक्स नर्सिंग कॉलेज से पढ़ाई की। आप उ.प्र. में कम्प्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर, कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर देवास व रतलाम के रूप में सेवा की। आपका चयन एम्स (दिल्ली) में होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई व शुभकामना।

जयपुर नगर निगम ग्रेटर

वार्ड नं. 76

मानसरोवर क्षेत्र

सुमित्रा कुमावत

एडवोकेट

को अपना वोट
एवं समर्थन देकर
विजयी बनायें

निवेदक

बाबूलाल सिरोहिया (ठेकेदार)
गोपाल लाल राहोरिया (सरपंच)
मेवाराम मारवाल, नाथूलाल मामोडिया
मोहन मामोडिया, हेमचंद खड़गटा
छीतर मारवाल (ठेकेदार)
एवं समस्त मित्रगण।

चेतन धुंधारिया

(भामाशाह, समाजसेवी व प्रसिद्ध हैण्डीक्राफ्ट व्यवसायी)

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

खेमचन्द खड़गटा
सदस्य, टीम चेतन धुंधारिया
मो. 9829140629

बधाई

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से **श्री हेमचन्द खड़गटा** की सेवानिवृत्ति एवं **श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर)** के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई**।

शुभेच्छु

रामप्रकाश मारवाल

433ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, मो.9414074376

बधाई

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से **श्री हेमचन्द खड़गटा** की सेवानिवृत्ति एवं **श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर)** के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई**।

शुभेच्छु

श्री बी.एल. नागा जनकल्याण चेरीटेबल ट्रस्ट

सुरेन्द्र नागा	संदीप नागा	चन्द्रजीत कुमावत
अध्यक्ष, 9414994006	मंत्री, 9829647101	कोषाध्यक्ष, 9530400624

डी -114-ए, सिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर-302015

चेतन धुंधारिया

(भामाशाह, समाजसेवी व प्रसिद्ध हैण्डीक्राफ्ट व्यवसायी)

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

शंकरलाल बालोदिया (वन्दना फ्लावर्स)

कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, जयपुर

मो. 9928860105, 8209804520

बधाई

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से **श्री हेमचन्द खड़गटा** की सेवानिवृत्ति एवं **श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर)** के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई।**

चन्द्र प्रकाश अजमेरा

मो. 9928088815

गौरव अजमेरा

मो. 9829488824

मालवीय नगर, जयपुर

बधाई

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से **श्री हेमचन्द खड़गटा** की सेवानिवृत्ति एवं **श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर)** के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई।**

Raj Blocks OFFSET PRINTERS

Nr. Sai Baba Temple, Choura Rasta, jaipur
B-81, Road No. 4, Kartarpura Ind. Area,
22 Godown, Jaipur Mob.: 9829059312, 9829436551

बधाई

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से **श्री हेमचन्द खड़गटा** की सेवानिवृत्ति एवं **श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर)** के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई।**

शुभेच्छु

श्रीमती भारती तोंदवाल
एवं श्री रमेश तोंदवाल

60, जयजवान कॉलोनी-II, टोंक रोड, जयपुर

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से **श्री हेमचन्द खड़गटा** की सेवानिवृत्ति एवं **श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर)** के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई**।

ट्रस्टीगण, व्यवस्थापक/ सम्पादक मण्डल सदस्य व पत्रिका सहयोगी

पाठकगणों से भी बधाई संदेश प्राप्त हुए हैं, उनका भी बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद।

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से **श्री हेमचन्द खड़गटा** की सेवानिवृत्ति एवं **श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर)** के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई**।

मनोज सिरसवा

मो. 94140 43127, 9314288771

मारुती जैम्स

1321, शाह भवन, अजबघर का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर

बधाई

श्री रमेश चन्द जी कुमावत (गैदर) पुत्र श्री रामदयाल जी गैदर को **'कुमावत प्रगति ट्रस्ट'** का सर्वसम्मति से **अध्यक्ष** चुने जाने पर **हार्दिक बधाई** एवं **शुभकामनाएं**।

शुभेच्छु

द्वारका प्रसाद-गायत्री (चौमूं), राजेन्द्र प्रसाद-अनिता (चौमूं), ओमप्रकाश-मंजू (जयपुर), महेन्द्र-नीलम (चौमूं) एवं समस्त कोलूगरिया परिवार (समधीगण)

मेघावी-पारितोष जी (पुत्री-दामाद), महक (पुत्री)

निवास : ओ.पी. कुमावत, 7/III/D, राजकीय मल्टी स्टोरी फ्लैट्स, गांधी नगर, जयपुर मो. : 9928023127

स्थाई निवास : रा.प्रा. विद्यालय के पास, राधा स्वामी बाग, चौमूं (जयपुर)

श्रद्धांजलि

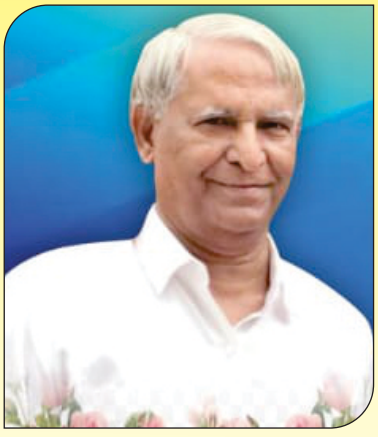

हमारे पूज्य पिताजी

श्री ओम प्रकाश जी कारगवाल

का बैकुण्ठधाम 19 अक्टूबर, 2019 को हो जाने पर
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवत

पुत्री-दामाद : सीमा-सत्यनारायण, ब्यावर।
रितु-संजय, बिजयनगर।
पूनम-जीतेन्द्र, इंदौर।
डॉ. हर्षा-डॉ. पलाश, इंदौर।

आभार

हमारे प्रिय

श्री हनुमानसिंह सिरसवा

(पुत्र स्व. श्री धनपत राम जी सिरसवा)

का देवलोक गमन 4 अक्टूबर, 2020

को हो जाने पर समाज बंधुओं, संगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रजनों एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा मोबाईल, वॉट्सएप द्वारा शोक सांत्वना संदेशों द्वारा इस दु:ख की घड़ी में हमें एवं परिवारजनों को सम्बल दिया, मनोबल बढ़ाया। हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

माता : चांद देवी कुमावत, **धर्मपत्नी :** शान्ती देवी कुमावत, **लघु भाई-भाई वधु :** मदन सिंह-ममता, **पुत्र-पुत्रवधु :** भवानी सिंह-रिकिता, **पौत्र :** मितांग, पिनांक एवं समस्त सिरसवा परिवार

डी-96ए, कृष्णा मार्ग, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, जयपुर-15
मो. 9785182297, 9024275804

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय समधी

श्री हनुमान सिंह सिरसवा

का **बैकुण्ठ वास 4 अक्टूबर, 2020** को हो जाने पर
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवत

समधि-समधन : कैलाश-मंजू भोरोदिया मो. 9928769350
शंकर-सीमा भोरोदिया मो. 9784609818
पुत्री-दामाद : यामनी-मुदित भोरोदिया
दोयता : शिनोय भोरोदिया

एस.एस. इलेक्ट्रोनिक्स, पुलिस थाने के सामने, झोटवाड़ा, जयपुर

श्रद्धांजलि

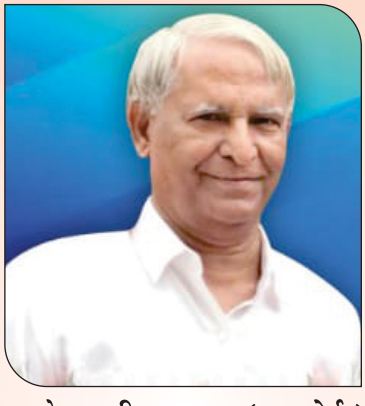

हमारे पूजनीय दामाद (बहनोई)

श्री ओम प्रकाश जी कारगवाल

का बैकुण्ठधाम 19 अक्टूबर, 2019 को हो जाने पर
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवत

द्वारका प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद, ओमप्रकाश,
महेन्द्र कोलूगरिया एवं समस्त कोलूगरिया परिवार

निवास : कुमावतों का मोहल्ला(बास), चौमूं
मो. 9887521973

श्री ओम प्रकाश जी कारवाल, ब्यावर

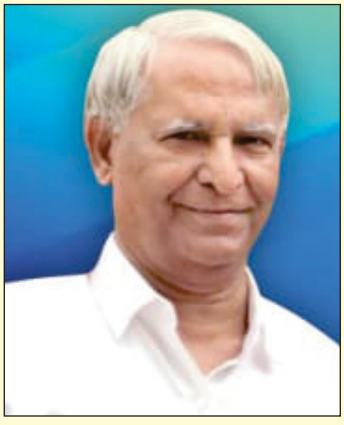

आपका जन्म माताश्री जाना देवी- पिताश्री शिवनाथ मल जी कारगवाल के परिवार ब्यावर में हुआ। आप का मूल निवास हिरनोदा, फुलेरा में है। आपके पिताजी श्रीबंधे बालाजी में पूर्ण आस्था रखते थे। आपके पिताजी तथा श्री ब्रजराज जी राहोरिया (आर्य) आदि साथी बंधे बालाजी यात्रा करके रात्रि विश्राम करते थे । प्रात: 8:15 बजे से दोपहर 12:30 तक बजे तक लगभग 50 जोड़ों से नि:शुल्क हवन कराते थे। यह क्रम 15 -20 वर्ष तक चलता रहा। 7-8 वर्ष से उनके पुत्र श्री ओम प्रकाश जी तथा श्री नरेंद्र आर्य जी यह भूमिका निभा रहे हैं।

दूसरा सामाजिक कार्य दोनों की जोड़ी 40 -50 वर्ष तक पुष्कर कुमावत सत्यनारायण मंदिर निर्माण एवं व्यवस्था में रहे। उनके उपरांत उनके दोनों के पुत्र श्री ओम प्रकाश जी तथा श्री नरेंद्र जी आर्य मंदिर में निर्माण एवं व्यवस्था में लगभग 7-8 वर्ष रहे। परंतु 4 वर्ष से मंदिर सेवा के नाम से राजनीति चालू हो जाने के कारण स्वयं प्रेरणा से अलग हो गए। श्रीमान कारगवाल जी वर्षों से ब्यावर में सामुहिक विवाह आयोजन करते रहे हैं। आपने 8- 9 मार्च 2014 में पुष्कर में अखिल भारतीय युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया तथा एक भव्य 'जीवनसाथी स्मारिका' का प्रकाशन भी कराया। आप पूरे राजस्थान में सामाजिक समारोह में आर्थिक तथा अन्य सहयोग करना अपना कर्तव्य समझते थे। आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के वरिष्ठ संरक्षक सदस्य थे। आपका विवाह चौमूं निवासी स्व. श्री नारायण लाल जी कोलूगरिया की सुपुत्री श्रीमती सुशीला के साथ हुआ। आपके चार विवाहित सुपुत्रियां हैं। आपके बड़े भ्राता तथा दो छोटे भ्राता ब्यावर में ही रहते हैं। आपका स्वर्गवास सोमवार 19 अक्टूबर 2020 को कोरोना के कारण हो गया। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि आपकी आत्मा को मोक्ष प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान दे वे एवं परिवारजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति दे।

- हेमचंद खड़गटा

विज्ञापन

श्रद्धांजलि
7वीं पुण्यतिथि
24 अक्टूबर, 2020

श्री मालीराम वर्मा (बड़ीवाल)
एफ.सी.ए., पूर्व अध्यक्ष - ओ.बी.सी. आयोग
फाउण्डर ट्रस्टी-कुमावत शिक्षा कोष

कुमावत शिक्षा कोष (रजि.) जयपुर

श्रद्धानवत

एस.एन. कुमावत
एडवोकेट रा. उ. न्यायालय
पूर्व AAG
(अध्यक्ष)

मुकेश वर्मा
(मरोड़िया)
सचिव

हेमन्त दोराया
कोषाध्यक्ष

श्रद्धांजलि
तृतीय पुण्यतिथि
11 अक्टूबर, 2020

श्री मन्ना लाल कुमावत (मारोठिया)
सुपुत्र स्व. छोटेलाल जी
स्व. 11.10.2017

आपकी परमार्थ एवं धार्मिक प्रेरणा हमारे जीवन की अमूल्य सम्पत्ति है
आपके आशीर्वाद से ही आने वाली पीढ़ी को भी यह प्रेरणा देती रहेगी
हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

श्रृद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : कमलेश कुमार कुमावत-इन्द्रा, कौशल-निर्मला, हीरालाल-चन्दा, प्रकाश-पूजा, पौत्र-पौत्रवधु : सुमित-ममता, पौत्र : सचिन, मुकुल, सुबोध, हिमान्शु, हितेश, पौत्री : जया, तीक्षा, चित्रा, प्रपौत्र : लिनय, पुत्री-दामाद : कान्ता-मोहनलाल जी, दोहिता : पंकज, दोहिती : भावना

14-बी, रघुनाथ विहार-सी, सिरसी रोड, पांच्यावाला, जयपुर-302034 मो.: 9314503069

श्रद्धांजलि
7वीं पुण्यतिथि
21 अक्टूबर, 2020

स्व. श्री रामचन्द्र जालवार
(दानदाता-समाजसेवी)

आपकी परमार्थ एवं धार्मिक प्रेरणा हमारे जीवन की अमूल्य सम्पत्ति है
आपके आशीर्वाद से ही आने वाली पीढ़ी को भी यह प्रेरणा देती रहेगी
हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

श्रृद्धान्वत

धर्मपत्नी : श्रीमती गीता कुमावत, पुत्र-पुत्र वधु : प्रदीप-मंजू मो. 9926281300, सतीश-दिशा मो. 8602824301, विजय--निशा मो. 9425077017, पौत्र-पौत्रवधु : राहुल-वैशाली, गौरव-किट्टी, कुशाग्र प्रणव, पौत्री : अदिती, पड़पौत्र : यज्ञ

प्लाट नं. 60 सीबी, तुलसीनगर, आर.आर. एवेन्यु के पास, इन्दौर-452010

चेतन धुंधारिया
(भामाशाह, समाजसेवी व प्रसिद्ध हैण्डीक्राफ्ट व्यवसायी)

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

रामप्रकाश मारवाल
ट्रस्टी व सम्पादक : कुमावत इंडिया पत्रिका
मंत्री, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर, जयपुर
मो. : 9414074376

चेतन धुंधारिया
(भामाशाह, समाजसेवी व प्रसिद्ध हैण्डीक्राफ्ट व्यवसायी)

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

जयसिंह गुडीवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष)
कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, जयपुर
मो. 9461343432

श्री रमेश चंद कुमावत (गैदर) के कुमावत प्रगति ट्रस्ट (कुमावत इंडिया पत्रिका) के अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई

सी.एम. कुमावत, रूप सिंह कुमावत, चेतन कुमावत व सूरज अनावड़िया

राजनीतिक प्रतिनिधित्व में पिछड़ता कुमावत समाज

इतिहास गवाह है कि जिस समाज में राजनीतिक नेतृत्व की कमी रही वह समाज विकास से कोसों दूर रहा और वर्तमान में कुमावत समाज की भी यही स्थिति है। सम्पूर्ण भारत वर्ष में कुमावत समाज की अच्छी जनसंख्या होने के बाद भी राजनीतिक हल्कों में समाज की पकड़ ढ़ीली है। विधानसभा और लोकसभा में तो कुमावत समाज की स्थिति और भी दयनीय है और राजनीतिक प्रतिनिधित्व नगण्य ही दिखाई पड़ता है। अगर यही स्थिति रही तो वो दिन दूर नहीं जब कुमावत समाज राजनीतिक उपलब्धि के नाम पर गर्त में होगा और विकास के नाम पर मुंह ताकता नजर आएगा।

राजनीति में पिछड़ेपन का मुख्य कारण एक दूसरे की टांग खिंचाई और परम्परागत काम धंधा है। अन्य समाजों से कुमावत समाज की तुलना की जाए तो कुमावत समाज में राजनीति की और अग्रसर होने वाले व्यक्ति का हाथ खींचने के बजाए टांग खिंचाई ज्यादा होती है और समाज के छुटभैय्या नेता चांदी की खनक के आगे समाज के व्यक्ति के खिलाफ ही ताल ठोक देते है। जिस कारण समाज के दो व्यक्ति, चुनावी प्रतिद्वंदता में आमने-सामने हो जाते हैं। इससे समाज के वोटों का बंटवारा हो जाता है एवं इसका सीधा फायदा अन्य प्रतिद्वंदी उठा लेता है। लेकिन अभी भी समय है कि समाज के गणमान्यजन जो सिर्फ उच्चतम् सामाजिक स्तर को ही विकास मानते है वो युवाओं को तन, मन व धन से राजनीतिक क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित करें। इसके अलावा समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व भी बनता है कि अपने रोजमर्रा के कामों में से समय निकालकर समाज सेवा के साथ राजनीतिक क्षेत्र में भी अपनी पकड़ बनाने का अवश्य प्रयास करें। इस विषय पर और मनन करने पर सामने आता है कि सिर्फ मोटी रकम होने से ही समाज का विकास संभव नहीं है। इसके लिए राजनीतिक गलियारों में कुमावत समाज का हो-हल्ला होना भी अनिवार्य है।

निकाय चुनावों से हो श्रीगणेश

अब अगर बात करें राजनीतिक में आकर जन सेवा की शुरूआत कहां से करें। तो अभी मौका है क्योंकि अक्टूबर-नवम्बर माह में 6 निकायों के चुनाव प्रस्तावित है। इसके बाद और भी अन्य निकाय चुनाव होना तय है। इन चुनावों में कुमावत समाज अपना दम-खम दिखाकर विकास की राह पकड़ सकता है। हांलाकि यह चुनाव राजनीति का छोटा पायदान है लेकिन इससे राजनीतिक सफर की शुरूआत संभव है। राजनीति में अपनी अलग और स्वच्छ पहचान बनाकर राजनीतिक कॅरियर में कामयाबी का शिखर छुआ जा सकता है।

- रूपेन्द्र कुमावत

आइये मिलकर बढ़ती बेरोजगारी के कारणों पर एक नजर डालें...

प्राय: देखा गया है कि हमारे देश में पढ़े-लिखे बेरोजगार निम्नलिखित काम नहीं करना चाहते हैं:-

मजदूरी, दुकान पर काम, बाइक/कार का काम, बिजली मैकेनिक, पेंटिंग का काम, मटके, मूर्तियां/ हस्तशिल्प/हेंडीक्राफ्ट का काम, मिठाई बनाने का काम, प्राइवेट कंपनी में काम, कृषि, सब्जी बेचना, फेरी लगाना, प्लम्बर, बढ़ई/तरखान, माली/ बागवानी, आदि।

वे बी.ए., एम.ए. या अन्य कोई डिग्री होल्डर है, बहुत अच्छा है पर वे कोई काम नहीं जानते है। ऐसे युवा बेरोजगार सिर्फ हमारे ही देश में क्यूँ है? क्योंकि हमारे देश का युवा दिखावे की जिंदगी जीने का आदी हो गये है। यहां सबको कुर्सी वाली नौकरी चाहिए जिसमें काम ना करना पड़े।

क्या ऐसे युवा सच में परिवार, समाज व देश के लिए हितकर है? जो अपनी आजीविका के लिए भी काम करने से हिचकिचाते है। कोई भी काम छोटा नही होता, आजीविका के लिए हुनर आना चाहिए। खुद की कमजोरी को बेरोजगारी का नाम देना शर्म की बात है।

हर साल लाखों बच्चे शिक्षा की डिग्री लेकर निकलते है पर सच में बिना हुनर यह डिग्री काग़ज़ का टुकड़ा मात्र है। जब तक खुद में कुछ हुनर पैदा करके उसको आजीविका अर्जन में प्रयोग मे नहीं लाते तब तक खुद को बेरोजगार कहने का हक़ नहीं है।

रही बात सरकारों की ये तो आती-जाती रहेंगी, चाहे कोई भी सरकार हो वह 100% बेरोजगारों को सरकारी नोकरी नहीं दे सकती। तो मेरे प्यारे देशवासियों, समय रहते भ्रामक दुनिया से निकलने का प्रयत्न करो और अपनी काबिलीयत के अनुसार काम करना शुरू करो। अन्यथा जीवन बहुत मुश्किल भरा हो जाएगा।

जापान और चाइना जैसे देशों में छोटा सा बच्चा अपने खर्च के लिए कमाने लग जाता है, और हमारे यहां 25-26 साल का युवा वर्ग केवल सरकारों की आलोचना करके समय की बर्बाद कर रहा है, कुछ नहीं होने वाला इनसे। कितने भी आंदोलन कर लीजिए किसी सरकार को कोई फर्क़ नहीं पड़ने वाला। अंतत: परिश्रम अपने आप को ही करना पड़ता है। योग्यता व किस्मत रही तो आपको भी जरूर सरकारी नौकरी मिलेगी, लेकिन सिर्फ इसके भरोसे मत बैठो।

आज ही रोजगारोन्मुखी/तकनीकी कोर्स में प्रवेश लेकर बेरोजगारी को दूर करने का प्रयास करे।

संकलनकर्ता

- सुनीता कुमावत, मारवाल

कुमावत शिल्पियों के बनाए गढ़, महल व ईमारतों में बाल जितना भी दोष नहीं

शिल्पियों का ही कमाल है कि आज पूरा विश्व इनकी अद्भुत कारीगरी से बनी इमारतों-हवेली, गढ़ और मंदिरों के शिल्प को देख दांतों तले अंगुली दबा लेता है ।

महाराणा कुंभा के काल उनके प्रमुख वास्तुकार मंडन,नापा, पामा, पूंजा, जैता की देखरेख में किले, मंदिरों महलों का स्थापत्य रहा हो या फिर जयपुर, शेखावाटी और मारवाड़ के किले मंदिर और महल इनमें कुमावतों की कारीगरी बोलती है। हवामहल ,सप्त खंडी सिटी पैलेस, अल्बर्ट हॉल बेमिसाल कला के नमूने हैं जिन पर पूरे संसार को नाज है। मारवाड़, शेखावाटी, ढूंढाड , हाड़ौती, मेवाड़, बांगड़ के इतिहास में रची बसी कला,वास्तु और शिल्प के जन्मदाता कुमावत ही है। सात सौ से ज्यादा गोत्रों के लाखों शिल्पी शहर, गांव और ढाणियों में बसे हैं । इनकी स्थापत्य शिल्प साधना से ही सृजित ,यह हमारा राजस्थान है। जिसका कण कण इनकी कारीगरी को सलाम करता है।

उस्ता अनंतराम केकटिया की देखरेख में जयपुर बसाया गया। **वास्तुकार लाला केकटिया ने जयपुर का मानचित्र बनाया था।** इनकी कारीगरी का कमाल रहा कि इन्होंने बाल जितना भी वास्तु दोष नहीं छोड़ा। इनको जन्मजात वास्तु शास्त्र का ज्ञाता होने का गर्व है। भवन निर्माण के विश्वकर्मा राजस्थान की आदिकालीन जाति के इन शिल्पियों को सलावत, संतरास, गजधर, मिस्त्री , राजमिस्त्री, चेजारा, वास्तुविद, कारीगर, चित्रकार, उस्ता ,राज कुमावत और न जाने कितने नामों से जानते है । इन शिल्पियों ने जयपुर की हवेलियां, बावड़ियां, गढ़ और महलों को ऐसा तराशा है कि भवन के ह्रदय में इनका ही पसीना बहा नजर आता है।

आज वैज्ञानिक तकनीक के भवन और पुल धराशायी हो रहे हैं, लेकिन **सदियों पहले बनी कुमावतो की बनाई इमारतों ने कई भूकंप झेले मगर कुछ नहीं बिगड़ा।**

नींव रखने के समय शिल्पी और उसके औजारों का आज भी पूजन कर सम्मान किया जाता है । चंदन, कांच या रंगों की चित्रकारी हजारों वर्ष बाद भी फीकी नहीं पड़ी है। चूने के बने गढ़ किले आज भी इसलिए मजबूत है कि पहले चूना और खोर को अलग-अलग पकाकर पत्थर के गोल घरट से बारीक पिसाई करते, मेथी गुड़ का मिश्रण डाला जाता। जिसमें चूने की पकड़ सीमेंट से ज्यादा मजबूत होती थी। वर्षा की मार का भवन पर असर नहीं होता था। कुचामन का किला रामचंद्र मेघराम ने बनाया था। जंतर-मंतर के वास्तुकार मनीराम सिरोहिया, हवा महल के उस्ता लालचंद के अलावा सवाई राम सिंह के शासन में **राम बक्श उस्ता ने रामबाग, अल्बर्ट हॉल का मानचित्र बनाया था।** राम प्रकाश गहलोत जयपुर के मुख्य वास्तुविद रहे। लालचंद ने मेयो अस्पताल, रेलवे भवन, शेखावाटी की हवेलियों की डिजाइन बनाई। नारायण मिस्त्री घोड़ेला के नाम पर कल्याण जी का रास्ता की एक गली का नाम रखा गया। **अल्बर्ट हॉल निर्माण में नारायण मिस्त्री का योगदान रहा।** रामप्रकाश उस्ता महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट्स के प्राचार्य रहे। गंगापोल में लवाण का घेर के **रामसहाय ने सिटी पैलेस, नाहरगढ़ व आमेर महल की चित्रकारी को नवीन रूप दिया।** जोधपुर नरेश ने जयपुर के चित्रकार उदयराम घोड़ेला को व राम सिंह ने **मास्टर राम प्रसाद उस्ता को सोने का कड़ा पहनने का सम्मान दिया।** सन 1957 में राम प्रकाश गहलोत को **'पदमश्री'** से सम्मानित किया गया। सांभर के कन्हैया लाल वर्मा, डॉ नाथूलाल, लालचंद मारोठिया का नाम ऊंचा रहा। मारोठ का कला घराना 500 साल पुराना है। सौभाग मल गहलोत शांतिनिकेतन में कला सीखने गए थे। सन 1933 में रामबाग महल विस्तार की बेमिसाल शिल्प के लिए सवाई मानसिंह ने उन्हें रजत पदक से नवाजा। लक्ष्मण सिंह गहलोत ने सिटी पैलेस, मोती डूंगरी महल, चौड़ा रास्ता पुस्तकालय, हिंद होटल, मच्छी दरवाजा आदि की प्राचीन डिजाइनों को संभाल कर रखा है।

-जितेंद्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ पत्रकार

शतायु : श्रीमती गोपा देवी, टोंक

श्रीमती गोपा देवी का जन्म संवत 1975 में (102 वर्ष पूर्व) भी धनाबाल जी उदयवाल के यहां हुआ था। आपका विवाह श्री राम रतन भोरोदिया के छोटे पुत्र श्री राम बिलास टोंक निवासी के साथ सम्पन्न हुआ। आप परिवार में सबसे बड़ी हैं। आपने अपने परिवार को एक सूत्र में बांध रखा है। आपका निवास टिक्कीवालों का मोहल्ला पुरानी टोंक है। आपके दो पुत्रियां व चार पुत्र है जेष्ठ पुत्र श्री नाथूलाल से.नि. है कनिष्ठ पुत्र श्री मोहन लाल व श्री दुर्गालाल स्वरोजगार में हैं तथा एक पुत्र श्री गिरधर गोपाल कोर्ट में कार्यरत है। आपने अपने परिवार को अच्छे संस्कार दिए हैं इनके बेटे, बहू, पोते, पोती सब इनकी सेवा करते हैं, देखभाल रखते हैं व इनके साथ रहकर आशिर्वाद प्राप्त करते हैं।

श्रीमती गोमी देवी बड़ी दयालु व धार्मिक प्रवृत्ति की है। आप 102 वर्ष पश्चात् भी स्वस्थ व सक्रिय हैं। अपना कार्य स्वयं करती हैं। सभी समाजजन व अन्य समाज के जन भी इनका सम्मान करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सभी को इनके दर्शन मिलते रहें व मार्गदर्शन/आशीर्वाद मिलता रहे।

- चन्द्र प्रकाश, अजमेरा

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा सामाजिक चेतना के कार्य

श्री चेतन धुंधारिया के नेतृत्व में गठित टीम चेतन धुंधारिया ने पिछले दिनों सामाजिक चेतना जागृत करने की दिशा में अनेक कार्यक्रम किये, जिसमें नरेन्द्र गुडीवाल सदस्य कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति जयपुर, शंकरलाल बालोदिया (वंदना फ्लावर्स), जयसिंह गुडीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर जयपुर, खेमचंद खड़गटा, विजय कारगवाल, आदि ने योगदान दिया।

योग शिविर का आयोजन : टीम चेतन धुंधारिया द्वारा योग शिविर का आयोजित किया गया। इसके संयोजक श्री जयसिंह गुडीवाल के अनुसार शिविर में योग गुरू दीपक कुमावत (गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्डस) ने सेहतमंद रहने के लिए योग व प्रणायाम के बारे में बताया। योग एक नियमित किये जाने वाली सरल प्रक्रिया है जो इम्यूनिटी पावर भी बढ़ाती है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री श्याम प्रताप, सरपंच ग्राम जाहोता थे।

श्री विजय कागरवाल ने भी चेतन धुंधारिया को धन्यवाद दिया और कहा कि आपने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी जान की परवाह न करते हुए समाज को सेवायें दी हैं।

चेतन धुंधारिया ने बताया कि ''पहला सुख निरोगी काया'' व ''स्वस्थ समाज'' की कामना के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया है। योग गुरू दीपक कुमावत, समाजबंधुओं व मीडिया को धन्यवाद दिया।

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के नवनियुक्त अध्यक्ष रमेश जी गैदर का स्वागत : टीम चेतन धुंधारिया द्वारा कुमावत प्रगति ट्रस्ट (कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका) के नवनियुक्त अध्यक्ष रमेश जी गैदर को साफा व माला पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया व शुभकामनाएँ दी। चेतन धुंधारिया ने बताया कि समाज की सभी पत्र-पत्रिकाओं, सामाजिक संस्थाओं व समाज की विकास समितियों को आपस में सामंजस्य स्थापित कर समाज को अच्छी व सच्ची खबरों से अवगत कराने के साथ-साथ कुमावत समाज की एकजुटता को दिखाना चाहिए।

श्री जयसिंह गुडीवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर ने भी गैदर जी को शुभकामनाएँ दी और कहा कि आपके कार्यकाल में 'कुमावत इंडिया' मासिक पत्रिका नये कीर्तिमान स्थापित करेगी। रमेश जी गैदर ने टीम चेतन धुंधारिया द्वारा किये जा रहे कार्य प्रंशसनीय व सराहनीय है। इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के श्री विनोद बालोदिया, श्री चन्द्र प्रकाश अजमेरा व श्री **चेतन बालोदिया** भी उपस्थित रहे।

नव निर्वाचित सरपंच, उप सरपंच व पंचों का सम्मान :

राजस्थान पंचायत चुनावों में कुमावत समाज के विजयी रहे सरपंच, उप सरपंच व पंचों का दो दिवसीय सम्मान व स्वागत का यह कार्यक्रम रखा। चेतन धुंधारिया द्वारा साफा, शॉल, दुपट्टा व माला पहनाकर उनका स्वागत किया और कहा कि जिस एकजुटता का परिचय कुमावत समाज ने पंचायत चुनावों में दिया है उसको आगे भी जारी रखते हुए समाज की एकजुटता को दिखाना है, ताकि कुमावत समाज के लोगों को अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व मिल सके।

ग्राम उगरियावास, जोबनेर से विजयी रही **श्रीमती गुलाब देवी कुमावत** पत्नी सीताराम जी बड़ीवाल का स्वागत किया गया। गुलाब देवी ने बताया कि उगरियावास की जनता ने मुझे जो मौका दिया है उसके लिए मैं उनको धन्यवाद देती हूँ। ग्राम आसलपुर से विजयी रही **श्रीमती सरला कुमावत** ने कहा कि मैं टीम चेतन धुंधारिया की आभारी हूँ जो इतनी दूर से मुझे सम्मान देने के लिए यहाँ आये। मैं गाँव के विकास के लिए हर संभव प्रयास करती रहूँगी। ग्राम डेहरा से विजयी रही **श्रीमती संजू कुमावत** ने बताया कि गाँव में बिजली, पानी की समस्या को प्राथमिकता के साथ दूर करने का प्रयास करूंगी तथा ग्रामीणवासियों की सेवा के लिए मैं तत्पर रहूँगी। ग्राम जोरपुरा से विजयी **श्रीमती गौरा देवी कुमावत** ने कहा कि गाँव में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूल खुलवाने का प्रयास करूंगी। गाँव में पानी की समस्या है, इसको भी दूर करने के लिए हर संभव प्रयास करूँगी। टीम द्वारा उप सरपंच व वार्ड पंचों का भी स्वागत किया गया।

इस अवसर पर अनेक समाजबंधु व भामाशाह जिनमें श्री प्रभुनारायण जी सैंगाठिया, श्री शांति लाल सैंगाठिया, गणपत कुमावत, राधेश्याम खाटूवाल, रामचन्द्र दम्बीवाल, ग्राम जोरपुरा वार्ड 6 के पंच श्री गिरधारी मामोडिया व वार्ड 7 पंच श्री भागचन्द कुमावत भी उपस्थित रहे।

-जयसिंह गुडीवाल, मो. 9461343432

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा निष्पक्ष रूप से सामाजिक क्षेत्र में किये गये प्रशंसनीय कार्यों की 'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रशंसा करती है।

श्री शक्ति पीठ ईडाणा माता मंदिर

ये मंदिर राजस्थान की ईडाणा माता मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहां पर मां के चमत्कारिक दरबार की महिमा बहुत ही निराली है, जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहां आते हैं। वैसे तो आपने बहुत सारे चमत्कारिक स्थलों के बारें में सुना होगा, लेकिन इसकी दास्तां बिल्कुल ही अलग और चौंकाने वाली है। ये स्थान उदयपुर शहर से 60 कि.मी. दूर अरावली की पहाड़ियों

के बीच बसा हुआ है। मां का ये दरबार बिल्कुल खुले एक चौक में स्थित है। आपको बता दें इस मंदिर का नाम ईडाणा उदयपुर मेवल की महारानी के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

इस मंदिर में भक्तों की खास आस्था है, क्योंकि यहां मान्यता है कि लकवा से ग्रसित रोगी यहां मां के दरबार में आकर ठीक हो जाते हैं। इस मंदिर की हैरान करने वाली बात है ये है कि यहां स्थित देवी मां की प्रतिमा से हर महीने में दो से तीन बार अग्नि प्रजवल्लित होती है। इस अग्नि स्नान से मां की सम्पूर्ण चढ़ाई गयी चुनरियां, धागे भस्म हो जाते हैं और इसे देखने के लिए मां के दरबार में भक्तों का मेला लगा रहता है। लेकिन अगर बात करें इस अग्नि की तो आज तक कोई भी इस बात का पता नहीं लगा पाया कि ये अग्नि कैसे जलती है।

ईडाणा माता मंदिर में अग्नि स्नान का पता लगते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाती है। मंदिर के पुजारी के अनुसार ईडाणा माता पर अधिक भार होने पर माता स्वयं ज्वालादेवी का रूप धारण कर लेती हैं। ये अग्नि धीरे-धीरे विकराल रूप धारण करती है और इसकी लपटें 10 से 20 फीट तक पहुंच जाती है। लेकिन इस अग्नि के पीछे खास बात ये भी है कि आज तक श्रृंगार के अलावा किसी अन्य चीज को कोई आंच तक नहीं आती। भक्त इसे देवी का अग्नि स्नान कहते हैं और इसी अग्नि स्नान के कारण यहां मां का मंदिर नहीं बन पाया। ऐसा मान्यता है कि जो भी भक्त इस अग्नि के दर्शन करता है, उसकी हर इच्छा पूरी होती है। यहां भक्त अपनी इच्छा पूर्ण होने पर त्रिशूल चढ़ाने आते है और साथ ही जिन लोगों के संतान नहीं होती वो दम्पत्ति यहां झुला चढ़ाने आते हैं। खासकर इस मंदिर के प्रति लोगों का विश्वास है कि लकवा से ग्रसित रोगी मां के दरबार में आकर स्वस्थ हो जाते हैं।

- हिमांशी कुमावत, नाथद्वारा

पाक में हिंगलाज मंदिर में आतंकी धमकी के बीच पहुंच रहे श्रद्धालु

लिखित इतिहास 14वीं सदी का, हिंगलाज पहाड़ी पर गिरा था सिर : इतिहासकारों का मत है कि हिंगलाज यात्रा का लिखित उल्लेख 14वीं सदी से मिलता है। मान्यता है कि भगवान शिव के तांडव से बचाने के लिए विष्णु ने चक्र से सती की पार्थिव देह के टुकड़े किए थे। ये जिन स्थानों पर गिरे, वे शक्तिपीठ कहलाए। सिर हिंगलाज पहाड़ी पर गिरा। इसलिए यह 51 शक्तिपीठों में सबसे प्रमुख है।

श्री पवन बासनिवाल ने बनाया YouTube चैनल

श्री पवन बासनिवाल, जयपुर ने एक youtube चेनल बनाया है, जिस पर Pharmacist/GPAT/DCO/University Exams/ Nursing/vvth/vwth/B. Sc./ M. Sc./ के लिए 105 विडियो लेक्चर अपलोड है।

इस चैनल का लिंक है:- https://www.youtube.com/c/PawanBasniwal

कुछ Playlist का लिंक-

1. Organic Chemistry - https://www.youtube.com/playlist?list=PLzuyFSuxoK&BqN_BlCKts-XrQIXRsfx-v
2. Medicinal Chemistry - https://www.youtube.com/playlist?list=PLzuyFSuxoK&DRwJ{AMrCbaI} iMDipDorK
3. Inorganic Chemistry - https://www.youtube.com/playlist?list=PLzuyFSuxoK&ALl}KTNrVGyqXCgaAWikwq
4. Biochemistry - https://www.youtube.com/playlist?list=PLzuyFSuxoK&BcFwRYL_Auryyr|UxyfSmZ
5. All MCQs_Video - https://www.youtube.com/playlist?list=PLzuyFSuxoK&BDylTHy}vqotYqHh&&AxHK
6. All_Video_Lecture_#Pawanbasniwal - https://www.youtube.com/playlist?list= PLzuyFSuxoK&COgCZkaZochWvQ®&XeZHRQ

इस चैनल पर बहुउपयोगी जानकारी उपलब्ध है। हमारे समाज के विद्यार्थी कोविड-19 के विषम समय में घर मे रहते हुए इस यूट्यूब चैनल का लाभ उठा सकते है। श्री पवन बासनिवाल के इस प्रयास के लिए कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से धन्यवाद।

भारत के बाहर पाकिस्तान में ऐसी शक्तिपीठ है, जहां सबसे ज्यादा दर्शनार्थी पहुंचते हैं। इस बार कोरोना की पाबंदी के चलते तादाद कम है, लेकिन उत्साह में कमी नहीं है। हर साल यहां 2 लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं। कोरोने के कारण इस बार नवरात्र में 4 दिन में 6 हजार से ज्यादा श्रद्धालु ही पहुंचे हैं। दरअसल सरकार ने एक समूह में 6 से ज्यादा लोगों को यात्रा की अनुमति नहीं दी है। पहले लोग बस से 50-60 के समूह में यात्रा करते थे। इस साल कोविड पाबंदियों के चलते भारत, कनाडा, ब्रिटेन से आने वाले हजारों श्रद्धालु भी नहीं आ सके हैं।

माता के दर्शन से पहले श्रद्धालु चंद्रगुप्त ज्वालामुखी पर चढ़ते हैं। श्रीफल अर्पित करते हैं और अनुष्ठान करते हैं। मंदिर के करीब ही हिंगोल नदी है। श्रद्धालु इसमें पवित्र स्नान के बाद ही माता के दर्शन करते हैं। मुख्य पुजारी महाराज गोपाल हैं, जो कई दशक पहले मां के दर्शन के लिए आए थे और यहीं के होकर रह गए। वे बताते हैं कि सरकार ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया है। हिंगलाज माता कमेटी के महासचिव पेशुमल अरलानी बताते हैं कि बेहतर इंतजाम और तटीय हाइवे बनने से यात्रा आसान हो गई है।

अरब तट के किनारे कराची से ग्वादर तक 657 किमी हाइवे बन रहा है। हालांकि इस बार भी आतंकियों ने श्रद्धालुओं को निशाना बनाने की धमकी दी है। इसे देखते हुए मंदिर और यात्रा मार्ग पर सुरक्षा बल तैनात किए हैं। बीते गुरुवार को हमले में एक दर्जन से ज्यादा जवान मारे गए थे। लेकिन यात्रियों में जोश की कमी नहीं है।

तपती गर्मी के बीच नंगे पैर किशोर, महिला-पुरुष मां के जयकारे लगाते हुए 300 फुट ऊंचे चंद्रगुप्त ज्वालामुखी पर चढ़ाई कर रहे हैं। ज्यादातर यात्री नवरात्र के 9 दिन रुककर व्रत रखते हैं और सुबह-शाम मां की आरती में हिस्सा लेते हैं।

जिन्दगी की परीक्षा में चाहिये अच्छे मार्क्स

यह सब बानगी मात्र है ऐसे कई समाज बंधु राजस्थान से पूना, बड़ोदा, बैंगलोर, हैदराबाद, मद्रास आदि शहरों में समाज का नाम रोशन किया, समाज सेवा की शिक्षा में योग्यता नहीं के बराबर थी।

जरा सोचिए

- वर्तमान शिक्षा पद्धति के कारण अंकों की होड़ में पिछड़ने वाला बालमन कुंठित हो जाता है।
- प्रतिस्पर्धा भावना के कारण कुंठित होता बचपन सह अस्तित्व की संकल्पना को हमेशा के लिये भूल जाता है।
- हमेशा श्रेष्ठ साबित होने का मानसिक दबाव स्वर्णिम बचपन के सहज व क्षणों को दु:ख में बदल देता है।
- वह ज्ञान बोझ है जो भावना भोलापन छीन लें।
- वह ज्ञान बोझ है जो बुद्धिमानी के मद से भर दे।
- वह ज्ञान बोझ है जो अपने साथ आनन्द न लाए।
- वह ज्ञान बोझ है जो धर्म न दे।

कुछ प्रमुख विद्वानों के विचार

सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्ण-जीवन सफल बनाने के लिये शिक्षाजरूरी है, डिग्री नहीं। हमारी डिग्री है सेवाभाव, नम्रता, जीवन की सरसता। यदि आत्मा न जागे तो कागज की डिग्री बेकार है।

डॉ. अब्दुल कलाम (पूर्व राष्ट्रपति)- विद्यार्थियों का जीवन लक्ष्य न केवल परीक्षा में उत्तीर्ण होना व स्वर्ण पदक प्राप्त करना है, अपितु देश सेवा की क्षमता एवं योग्यता को विकसित करना भी है।

सुभाष चन्द्र बोस-मन, उपजाऊ खेत की तरह है जैसा आप बोएंगे वैसा ही पाएंगे। मन जीवन की राह बनाता है।

बाल गंगाधर तिलक-विद्यार्थियों का जीवन लक्ष्य न केवल परीक्षा में उत्तीर्ण होना, स्वर्ण पदक प्राप्त करना है अपितु समाज सेवा, देश सेवा की क्षमता एवं योग्यता अर्जित करना भी है।

स्वामी विवेकानन्द-दूसरों की होड़ मत करो, अपनी मंजिल स्वयं बनाओ। मंजिल दूर नहीं है, फिर भी आप भटकते हो, दूसरों का पीछा करते हो यह गलत है।

विशेष-बच्चे अपनी सोच ऊँची रखें, प्लानिंग करें, कठिन परिश्रम करें, थोड़े से प्रयास से थम जाये व हार मान लें यह गलत होगा। हार नहीं मान कर लगातार कठिन परिश्रम करें सफलता निश्चित रूप से आपके कदमों में होगी। ऐसा मेरा विश्वास है।

जानें- Air Patato (हवाई आलु)

हमारा देश कृषि प्रधान हे। हमारे देश में अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती होती है जिनमें Air Patato (हवाई आलू) सब्जी की पैदावार भी की जाती है। इसका उपयोग सब्जी के रूप में ही नहीं दवाई (Medicine) के रूप में भी किया जाता है, जो बवासीर, डायरिया (दस्त) बुखार आदि रोगों में भी उपयोग होता है। यह फसल जमीन के ऊपर बेल पर लगती है।

जैन धर्म के अनुयायी जमीन में लगने वाली सब्जी जैसे आलू, गाजर, मूली आदि का उपयोग नहीं करते वे इसका उपयोग आलू के जैसे कर सकते हैं क्योंकि इसका स्वादआलू जैसा ही है। लेकिन यह थोड़ा कड़वा होता है जिसको गर्म पानी में उबालकर दूर किया जा सकता है।

इसकी खेती राजस्थान में नहीं होती लेकिन गुजरात में बहुत अधिक व अन्य राज्यों में भी की जाती है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नं. 8432231322 पर सम्पर्क किया जा सकता है। - **गणेश लाल कुमावत,** BSc, HSc, MBA (Ag.)

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत, बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

20 सितम्बर श्री शंकर लाल कुमावत पुत्र स्व. श्री बंशीधर किरोड़ीवाल धोली मंडी चौमूं
21 सितम्बर श्रीमती बाछी देवी पत्नी स्व. श्री गोपाल लाल बैरा, झोटवाड़ा
21 सितम्बर श्री बाबूलाल कुमावत गुर्जर की थड़ी, जयपुर, झोटवाड़ा
21 सितम्बर श्री ओमप्रकाश जी अजमेरा, बाईस गोदाम, जयपुर
21 सितम्बर श्रीमती छोटा देवी पत्नी श्री रूपाराम जी कुदाल, रूपनगढ़
21 सितमबर श्रीमती मोहनी देवी पत्नी श्री नारायण लाल कारगवाल, सांगानेर
22 सितम्बर श्री रामदेव डेडवाल पुत्र स्व. श्री हरिरा जी किशनगढ़, अजमेर
22 सितम्बर श्री दुलीचन्द गुलाब राव ऊंटवाल, पुणे, महाराष्ट्र
22 सितम्बर श्री ओम प्रकाश जी अजमेरा पुत्र स्व. घनश्याम अजमेरा बाईस गोदाम, जयपुर
22 सितम्बर श्रीमती मोहनी देवी पत्नी श्री नारायणलाल कारगवाल, सांगानेर, जयपुर
23 सितम्बर श्री गोविन्द नारायण जी बबेरीवाल, सांगानेर, खातीपुरा की बाढ़
23 सितम्बर री लक्ष्मण सिंह बैथाड़िया, शास्त्री नगर, जयपुर

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

25 सितम्बर श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री किशनलाल जायलवाल
26 सितम्बर श्रीमती शांति देवी पत्नी स्व. बाबूलाल जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर
26 सितम्बर श्री मोहन लाल किरोड़ीवाल रोजड़ी नुनछा बाबा की ढाणी, फुलेरा
26 सितम्बर श्री श्रवण लाल (जयपुरिया) धुंधारिया रूपनगढ़, अजमेर
26 सितम्बर श्री जयशंकर कुदाल पुत्र श्री पुरुषोत्तम लाल जी सत्यनगर, झोटवाड़ा, जयपुर
27 सितम्बर श्री सत्यनारायण खाटूवाल, सुन्दर गनी-2 ब्यावर
27 सितम्बर श्री बालूराम जी वर्मा (डॉ. बी.आर. वर्मा) मरेठिया (चेजारा), जयपुर
28 सितम्बर श्री बाबूलाल पुत्र श्री चुन्नीलाल खाटूवाल, मामोडिया सिरसी, जयपुर
29 सितम्बर श्री लक्ष्मीनारायण जी बबेरीवाल, यन्द्रवरदाई नगर, अजमेर
29 सितम्बर श्री मालीराम कुमावत वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर
30 सितम्बर श्री गोपाललाल राहोरिया किसानमार्ग, टोंक फाटक, जयपुर
2 अक्टूबर श्री नाथूराम जी (ठेकेदार) ब्याड़वाल गांधी नगर मोड़, जयपुर
3 अक्टूबर श्री पूरनचंद कुण्डवाल, ईमलीवाला फाटक, जयपुर
3 अक्टूबर श्री नन्द किशोर जी सिरस्वा दांतारामगढ़वाले झोटवाड़ा, जयपुर
6 अक्टूबर श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व. श्री कन्हैयालाल खोराणिया, जयपुर
7 अक्टूबर श्रीमती कमला देवी पत्नी स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद बबेरीवाल, जयपुर
10 अक्टूबर श्री गिरधारी लाल सिरसवा, बैनाड़ रोड, जयपुर
19 अक्टूबर श्री ओम प्रकाश कारगवाल , ब्यावर
20 अक्टूबर श्री मदनलाल जी मारवाल, इंदौर

नोट : शोक समाचार/तीये की बैठक की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशन कराते वक्त नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लिखें। इस पत्रिका में श्रद्धांजलियाँ नि:शुल्क प्रकाशित की जाती हैं। प्रकाशनार्थ सूचित करें।

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवतियाँ

शिक्षा	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क नज़्बर	स्थान
			स्वयं	माता	दादी	नानी		
BSc, BEd, CTET	11.2.1996	5'2''	मामोडिया	थावलिया	जलान्धरा	जालवाल	9414017535	जयपुर
B.Tech.	10.2.1994	5'5''	घोड़ेला	भोड़ा	जालवाल	मारोठिया	9672750188	
B.Tech. (CS)	29.6.1991	5'3''	भौरोदिया	छाबल्या	खोखवाल	खाटवाल	9414078198	जयपुर
B.Tech.	13.8.1992	5'3''	धुंधारिया	दज़्बीवाल	भदानिया	नराणिया	9024129220	जयपुर
BCA, M.Sc. (CS)	7.2.1994	5'2''	गैदर	महार	धुंधारिया	दादरवाल	9414352090	जयपुर
B.A.,M.S.	30.8.1991	5'4''	मामोडिया	दादरवाल	गुरी	कारगवाल	9414540450	झुंझुनूं
M.A. (Hindi)	16.12.1997	5'3''	सिंघाठिया	भाटीवाल	सिरसवा	किरोड़ीवाल	9829803631	झुंझुनूं
Btech. (Textile de.)	26.06.1995	5'9''	खण्डारिया	नराणीया	खोवाल	पीपलोदा	9828400335	जयपुर
M.A. (ITI)	16.7.1996	5'1''	कुदाल	भौरोदिया	बारावाल	माचीवाल	9413762184	किशनगढ़
M.A. (Hindi)	6.1.1997	5'3''	कुदाल	माचीवाल	जायलवाल	देवतवाल	8562871230	बयावर
M.A.	12.12.1998	5'2''	किरोड़ीवाल	धुंधारिया	मालिया	घोड़ेला	9413042373	किशनगढ़
M.Sc. (CS),B.Ed.PGDCA	18.7.1994	5'1''	मेवाड़े	गवालचा	टॉक	रामेना	9669630346	बरवानी
B.Com.	23.4.1996	5'3''	मारवाल	देवतवाल	दज़्बीवाल	बयाड़वाल	9977729175	इन्दौर
Double M.Com.	3.12.1989	5'4''	मारोठिया	मारवाल	बारवाल	पारमवाल	9636391587	किशनगढ़
Double M.A.	22.9.1996	5'3''	बबेरीवाल	पारमवाल	नगारिया	घोड़ेला	8949334065	किशनगढ़
B.Com., M.A.	13.7.1985	5'5''	सोकल	कुरारीया	मामोड़िया	उदीवाल	9406837787	मंदसौर
M.A., LLB	11.11.1992	5'3''	वैगडिया	टॉक	चान्दौरा	वावड़ा	9829608477	प्रतापगढ़

युवक

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क नज़्बर	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी		
M.Com.MBA	मल्टीनेशनल कज़्पनी	29.9.93	5'9''	उदयवाल	दज़्बीवाल	मारवाल	कुसुज़्बीवाल	9414236451	दूदू
B.Tech.	सॉज़्टवेयर इंजी. एनफोसिस	29.4.96	6'0''	बरेनिया	धनेरिया	देवतवाल	घोड़ेला	9981902006	मंदसोर
M.Sc.B.Ed. REET	लेज़्चरर 40,000	10.8.86	5'7''	भोड़ीवाल	सिंघनवाल	दज़्बीवाल	कारगवाल	9928669067	चौमूं
MCA	सॉज़्टवेयर इंजी. अहमदाबाद	31.5.95	5'9''	कुकडवाल	गगंनवाल	सरोडिया	बड़ीवाल	8128724980	पाली
B.Com. ID		26.1.93	5'10''	घोड़ेला	ओस्तवाल	नोखवाल	घुंघाड़ा	9827163451	रायपुर
M.A. Dip. Elect.	सोलर कज़्पनी	23.9.93	5'0''	मारोठिया	अनावडिया	नीमीवाल	बारावाल	9413490089	जयपुर
B.A	कज़्प्यूटर आपरेटर जेडीए में संविदा पर	02.07.88	5'9''	होदकास्या	सिरस्वा	निरानिया	अनावडिया	9887276354	जयपुर
M.A.	मैसर्स घर बनाओ डॉट कॉम स्वयं की	20.5.90	5'6''	दज़्बीवाल	सारड़ीवाल	कसुमीवाल	अडानिया	9636227996	जयपुर
M.Com.	जनरल एवं मोबाईल शॉप स्वयं की	12.2.89	5'6''	कुण्डलवाल	अजमेरा	मारोठिया	कन्डेरीवाल	9887172830	जयपुर
M.Com.	प्रा. कज़्पनी में अकाउन्टेंट	16.10.84	6'0''	घोड़ेला	बवेरीवाल	लोहरवाड़िया	निरानिया	8003251422	सामोद
B.Com. RSCIT	प्राईवेट जॉब	28.10.97	5'6''	आसीवाल	खण्डारिया	मारवाल	केकट्या	7976211891	जयपुर
M.Com.	अकाउंट कन्सलटेंट	12.12.89	6'0''	सिंघनवार	रेनीवाल	बड़ानिया	मारवाल	7691059204	जयपुर
M.A., ADCA	प्राइवेट जॉब	1.9.92	5'4''	सिरोठा	ऊँटवाल	माण्डेला	धनेरिया	8209251087	उदयपुर
M.A. ITI (COPA)	प्राइवेट जॉब	2.7.90	5'4''	डाबरिया	सरसिया	दैराया	रावरिया	9782821200	कोटा

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. अच्छे रिश्तों के लिए दादी, नानी का गोत्र छोड़ा भी जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए श्री हेमचन्द खड़गटा मो.नं. 9351682036 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें। -सम्पादक

सूचना

तीन वर्षीय सदस्य अगस्त-अक्टूबर में क्र.सं. 001 से 165 समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें। सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो सूचना निर्धारित कॉलम के अनुसार कार्यालय अथवा सम्पादक को प्रेषित करें।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ कुमावत अवश्य लगाएं। क्योंकि गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत की एक लाईन में श्रद्धांजलियाँ नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है इस हेतु पत्रिका के कार्यालय को सूचित करने का कष्ट करें।**

जयपुर शहर व्यवसाय डाइरेक्ट्री का प्रकाशन शीघ्र

पत्रिका शीघ्र ही समाज की एक बहुउपयोगी **व्यवसाय डाइरेक्ट्री** का प्रकाशन करने जा रही है। यह डाइरेक्ट्री कोरोना महामारी के कारण लेट हो गई है। इसमें जयपुर नगर निगम क्षेत्र के व्यापारियों की दुकानों/संस्थानों/प्रोफेशनल्स का नाम, पता, फोन/मो. नं. आदि का एरिया वाईज प्रकाशन मार्च 2021 में किया जावेगा। इस प्रकाशन के प्रधान सम्पादक श्री हेमचन्द खड़गटा होंगे, समाज के व्यापारियों, उद्योगपतियों, प्रोफेशनल्स एवं सेवाप्रदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने संस्थानों का विवरण एवं विज्ञापन श्री खड़गटा को देकर सहयोग करें।

डाइरेक्ट्री हेतु विज्ञापन की दरें निम्न प्रकार हैं :

साईज	दर रुपए	साईज	दर रुपए
विजिटिंग कार्ड	400/-	1/6	800/-
1/4	1000/-	1/2	1800/-
1 पेज (अन्दर)	3000/-	कवर पेज 2	4000/-
कवर पेज 3	5000/-	कवर पेज 4	10000/-

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-विशाल कम्प्यूटर महेश नगर फाटक, मो. 9664386269

ब्यावर-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

दिल्ली-श्रीराधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

फुलेरा-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।

श्रद्धांजलि

हमारे पूज्य पिताजी

श्री हनुमान सिंह सिरसवा

का **देवलोक गमन 4 अक्टूबर, 2020** को हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवत

पुत्री-दामाद : मीनाक्षी-संजय कुमावत, छापोला बूंदी
मनीषा-मुकेश खोरानिया, मानसरोवर
रश्मी-अभिजीत सिंदड़, मुम्बई
दिव्या-मुदित भोरोदिया, जयपुर

आभार

समाजसेवी, दानदाता,
श्री मोहनलाल किरोड़ीवाल (ठेकेदार)
का बैकुण्ठधाम 26 सितम्बर, 2020

को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रजनों एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा व्यक्तिशः, मोबाईल, वॉटसएप द्वारा शोक संदेशों द्वारा इस दुःख की घड़ी में हमें एवं परिवारजनों को सम्बल दिया, मनोबल बढ़ाया। हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

भ्राता : छीतरमल, बंशीलाल, कानाराम, सोनाराम, किरोड़ीवाल, पुत्र : भागचन्द, ओम प्रकाश, किरोड़ीवाल, भतीजे : रामस्वरूप, भजनलाल, मालूराम, ताराचन्द, नेमीचन्द एवं समस्त करोड़ीवाल परिवार, नन्दाबाबा की ढाणी, रोजड़ी (फुलेरा)

27,29,30 वेदविला 'डी', रामनगर, जयपुर
मो. 8890404040, 9928433922

आभार

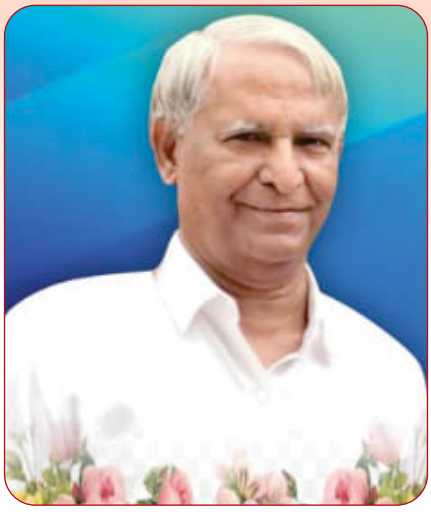

समाजसेवी, दानदाता, धर्माता

श्री ओमप्रकाश कारगवाल

का बैकुण्ठधाम 19 अक्टूबर, 2020

को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रजनों एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा व्यक्तिशः, मोबाईल, वॉटसएप द्वारा शोक संदेशों द्वारा इस दुःख की घड़ी में हमें एवं परिवारजनों को सम्बल दिया, मनोबल बढ़ाया। हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

विज्ञापन

आभाकर्ता

धर्मपत्नी : श्रीमती सुशीला देवी कारगवाल, भ्राता : नारायणलाल, हनुमान, लालचंद, भतीजे : जीतेन्द्र, भवनील, मनीष, बहन-बहनोई : इन्द्रा-सुरेश, इंदौर, पुत्री-दामाद : सीमा-सत्यनारायण, ब्यावर, रितु-संजय, बिजयनगर, पूनम-जीतेन्द्र, इंदौर, डॉ. हर्षा-डॉ. पलाश, इंदौर, दोयती-दोयते : डॉ.पलक, साक्षी, संजीवनी, चेरीशा, तेजस्वीनी, गूंज, सोम एवं समस्त कारगवाल परिवार

प्रतिष्ठान : श्रीनाथ एम्पोरियम, ब्यावर, शिवनाथमल देवाराम कुमावत, ब्यावर, एस. कुमावत ऑटोमोबाइल, ब्यावर

सेंदड़ा रोड, ब्यावर जिला, अजमेर, मो. : 9462014701, 9414252587

विज्ञापन

नगर निगम ग्रेटर जयपुर के चुनाव में

वार्ड नं. 138

(बापूनगर-गाँधीनगर क्षेत्र) से

विजयलक्ष्मी

पत्नी श्री बृजेन्द्र नागा (भाजपा प्रत्याशी)

को अपना वोट व समर्थन देकर अनुग्रहित करें।

निवेदक : सुरेन्द्र कुमार नागा 9414994006, हेमचन्द खड़गटा, गोपाललाल अजमेरा, राजकुमार धुमनिया रामगोपाल नीमीवाल, लालचंद धुंधारिया, सी.पी. अजमेरा, रामप्रकाश मारवाल, ओमप्रकाश कुमावत

जयपुर नगर निगम ग्रेटर

वार्ड नं. 138 से

पार्षद पद हेतु

निर्दलीय उम्मीदवार आपकी अपनी

किरण वर्मा

वरिष्ठ समाज सेवी एवं कार्यकर्ता

को अपना अमूल्य मत एवं समर्थन देकर विजयी बनायें

श्रीमान् प्यारेलाल जी वर्मा आसलीवाल

किरण वर्मा
आसलीवाल
वार्ड नं. 138, ग्रेटर

दो गज दूरी-मास्क है जरूरी

चेतन धुंधारिया

(भामाशाह, समाजसेवी व प्रसिद्ध हैण्डीक्राफ्ट व्यवसायी)

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

नरेन्द्र गुडीवाल (सदस्य)
कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, जयपुर
मो. 9829312304

वैवाहिक

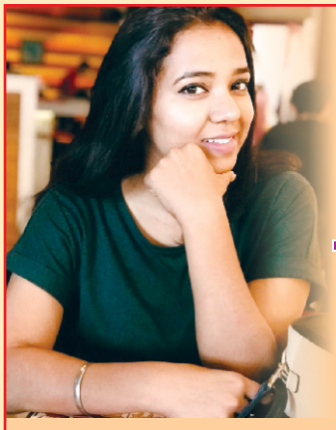

पूजा कुमावत

जन्म तिथि	:	13 जून, 1991	
जन्म समय	:	5:30 AM	जन्म स्थान : जयपुर
शिक्षा	:	M.Sc.	
जॉब	:	Junior Statistical Officer (Mumbai, Central Govt.)	
पिता का नाम	:	अशोक कुमार	
व्यवसाय	:	एक्यूप्रेशर चिकित्सक	
माता का नाम	:	तुलसी कुमावत	
गौत्र	:	स्वयं-खोवाल	माता-सिरोहिया
		दादी-कुसुम्बीवाल	नानी-भौरोंदिया
सम्पर्क नं.	:	9828117625	

19, हरिनगर (5) स्वेज फार्म, सोडाला, जयपुर-302019

बधाई

श्री हरि शंकर कुमावत (खण्डारिया)

निवासी उदयपुर की पदोन्नति

संयुक्त आयुक्त राज्यकर (वाणिज्यिक कर विभाग)

के पद पर होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रमेश चन्द कुमावत

सलाहकार, वित्त (कर अनुसन्धान प्रकोष्ठ) विभाग,

शासन सचिवालय, जयपुर।

बधाई

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से श्री हेमचन्द खड़गटा की सेवानिवृत्ति एवं श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर) के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई।

शुभेच्छु

लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल

मो. 9549656438

मालवीय नगर, जयपुर

चेतन धुंधारिया

(भामाशाह, समाजसेवी व प्रसिद्ध हैण्डीक्राफ्ट व्यवसायी)

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

महेश चन्द जलान्धरा

(व्यवस्थापक मंडल सदस्य)

कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका

मो. 9828118789

चेतन धुंधारिया

(भामाशाह, समाजसेवी व प्रसिद्ध हैण्डीक्राफ्ट व्यवसायी)

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

विजय कारगवाल (अध्यक्ष)
कुमावत क्षत्रिय सोशल ग्रुप
मो. 9314473974

श्री दामोदर कुमावत

(उपायुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण)

पदोन्नति पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

टीम चेतन धुंधारिया
चेतन धुंधारिया
मो. 9829017584, 8209687840

30 सितम्बर, 2020 को हेमचन्द खड़गटा का 75वें जन्म दिवस पर अभिनन्दन एवं स्वागत

कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार

श्री चेतन धुंधारिया एवं टीम

श्री रमेश चन्द्र गैदर को कुमावत प्रगति ट्रस्ट का अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई

श्री कस्तूरमल कुमावत का 71वाँ जन्मदिन 2 अक्टूबर, 2020 को पुष्पा-हेमचन्द द्वारा अभिनन्दन

श्री चेतन धुंधारिया को जन्म दिवस 1 नवम्बर की हार्दिक शुभकामनाएं

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट (रजि.)

ट्रस्टी : रेखा सिंह बैथाड़िया, निकिता राजोरिया, सतीश खड़गटा, शैलेन्द्र खड़गटा, मोहित धुंधारिया

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018 रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300